page 1 and 8 oct 1_page 1 Mar 25 final ds.qxd 01-10-2025 01:35 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू में नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम

5 मैक्सवेल न्यूज़ीलैंड दौरे से बाहर, फिलिप को मिला मौका

8 चने की उन्नत खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26 — अधिकतम 31

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-241 | जम्मू तवी, बुधवार 01 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

पाक स्थित आतंकवादियों की बात दोहराने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी: एलजी सिन्हा

श्रीनगर 30 सितंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि जो लोग अलगाववादियों और आतंकवादियों की भाषा बोलते हैं, वे हमारे शहीदों के बलिदान का अपमान करते हैं और उनकी आत्मा को ठेस पहुँचाते हैं। ऐसे तत्वों के विरुद्ध देश के कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की भूमि देश की एकता और अखंडता के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के शहीदों के खून और बलिदान से सराबोर है। यदि कोई भारत की संप्रभुता और पुलिस शहीदों की स्मृतियों का अपमान करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। यह बातें उपराज्यपाल ने 20वें जम्मू-कश्मीर पुलिस शहीद स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन के दौरान कही। एलजी ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के वीर जवानों की देशहित के लिए की गई नि:स्वार्थ सेवाओं और सर्वोच्च

बलिदान को नमन किया तथा कहा कि उन्होंने सुरक्षा, स्थिरता और प्रदेश की प्रगति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर हमारी सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के वीर जवानों की त्याग-परंपरा का प्रतीक है। इसलिए शहीदों की स्मृतियों को संजोना केवल सुरक्षा बलों की ही जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। हमारे वीर जवानों ने समाज के सपनों को पूरा करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। शांति, प्रगति और समृद्धि उनके सर्वोच्च बलिदान से ही संभव हो पाई है। समाज सिपाहियों के इन बलिदानों का ऋण कभी अदा नहीं कर सकता, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा

- उपराज्यपाल ने श्रीनगर में 20वें जम्मू-कश्मीर पुलिस शहीद स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट के समापन समारोह को संबोधित किया
- हमारे शहीद नायकों और उनके परिवार के सदस्यों

कि उनके शौर्य को और उनके परिजनों को हमेशा सम्मान मिले। उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर पुलिस बल की सिविक एक्शन प्रोग्राम के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने की सराहना की। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ संवाद किया और विजेताओं व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों व टीमों को ट्रॉफियाँ और नकद पुरस्कार प्रदान किए। फाइनल मुकाबले में जम्मू-कश्मीर बैंक ने कश्मीर एवेंजर्स फुटबॉल क्लब को पराजित कर 20वें जम्मू-कश्मीर पुलिस शहीद स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर डीजीपी नलिन प्रभात, विशेष डीजी समन्वय पीएचक्यू एस.जे.एम. गिलानी, एडीजीपी आर्म्ड आनंद जैन, पुलिस व सिविल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, फुटबॉल एसोसिएशन और क्लबों के सदस्य, प्रमुख खेल हस्तियाँ और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

उपराज्यपाल ने लद्दाख में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति का आकलन करने के लिए उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की

लेह, 30 सितंबर। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने आज केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति का आकलन करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

उपराज्यपाल ने 24 सितंबर को हुई दुर्भाग्यपूर्ण हिंसा की घटनाओं में घायल हुए सुरक्षाकर्मियों का हालचाल जाना। बताया गया कि विभिन्न स्थानों पर अपनी ड्यूटी निभाते हुए 57 सीआरपीएफ कर्मियों और 48 से अधिक पुलिसकर्मियों सहित 105 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं।

कविंदर गुप्ता ने आश्वासन दिया कि घायल कर्मियों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा उपचार मिलेगा और प्रशासन को उनके परिवारों को पूर्ण सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सुरक्षा बलों द्वारा दिखाए गए साहस और समर्पण की गहरी सराहना की।

उपराज्यपाल ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को शांति भंग करने के लिए

जिम्मेदार उपद्रवियों की पहचान करने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हिंसा में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। कानून अपना कठोर कदम उठाएगा और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लद्दाख के लोगों की सराहना करते हुए माननीय उपराज्यपाल ने कहा कि यह क्षेत्र हमेशा से अपने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, भाईचारे और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के लिए जाना जाता रहा है। उन्होंने लेह के नागरिकों द्वारा सामान्य स्थिति शीघ्र बहाल करने में दिखाई गई परिपक्वता और संयम की सराहना की।

उन्होंने आगे कहा कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन प्रत्येक नागरिक के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। शांति, स्थिरता और सांप्रदायिक सद्भाव हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताएँ हैं और इन्हें बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

उपराज्यपाल ने आगे ज़ोर देकर कहा कि प्रशासन अपने आउटरीच प्रयासों को मज़बूत करता रहेगा, सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि सरकार जनता की है और हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि लद्दाख शांति, प्रगति और सद्भाव के प्रतीक के रूप में चमकता रहे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की भलाई और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन लद्दाख में शांति, सद्भाव और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मैं समाज के सभी वर्गों से आग्रह करता हूँ कि वे इस क्षेत्र की भाईचारे और एकता की समृद्ध परंपरा को कायम रखें। आपसी विश्वास और सहयोग से हम एक शांतिपूर्ण और समृद्ध लद्दाख का निर्माण करेंगे जहाँ प्रत्येक व्यक्ति की आकांक्षाओं का सम्मान और पूर्ति होगी।

बैठक में मुख्य सचिव डॉ. पवन कोतवाल, पुलिस महानिदेशक डॉ. एस.डी. सिंह जामवाल, सेना, सीआरपीएफ और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने उपराज्यपाल को क्षेत्र में शांति और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नवीनतम घटनाक्रम, सुरक्षा तैयारियों और अंतर-एजेंसी समन्वय के बारे में जानकारी दी।

भाजपा के साथ गठबंधन करने के बजाय मैं इस्तीफा देना पसंद करूंगा : मुख्यमंत्री

श्रीनगर, 30 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश को जल्द पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन करने के बजाय वह इस्तीफा देना पसंद करेंगे।

अनंतनाग जिले के अचबल इलाके में एक कार्यक्रम में उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वह पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए कोई भी राजनीतिक समझौता करने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर लोग तैयार हैं, तो मुझे बताएं क्योंकि मैं ऐसा कोई समझौता करने को तैयार नहीं हूं। अगर भाजपा को सरकार में शामिल करना ज़रूरी है, तो मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लें। यहां के किसी भी विधायक को मुख्यमंत्री बना दें

और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाएं।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर उन्होंने भाजपा को सरकार में शामिल किया होता तो राज्य का दर्जा जल्दी बहाल हो सकता था। उन्होंने कहा कि क्या हमें भाजपा को सरकार में शामिल करना चाहिए था। ऐसी संभावना थी कि भाजपा को सरकार में शामिल करके हमें कोई तोहफ़ा मिल सकता था। वे हमें जल्दी पूर्ण राज्य का दर्जा दे देते।

लेह शहर में सात घंटे के लिए कर्फ्यू में दी गई ढील, एक हफ्ते बाद मिली राहत

लेह, 30 सितंबर। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के हिंसा प्रभावित लेह शहर में मंगलवार सुबह 10 बजे से सात घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई। इस दौरान बाजार धीरे-धीरे खुले और एक हफ्ते से लगे प्रतिबंधों से जूझ रहे लोगों को राहत मिली। पुलिस और अर्धसैनिक बल संवेदनशील इलाकों में बड़ी संख्या में तैनात हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

इससे पहले 24 सितंबर को प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच व्यापक झड़पों में जान गंवाने वाले चार लोगों के अंतिम संस्कार के तुरंत बाद सोमवार शाम 4 बजे से दो घंटे के लिए प्रतिबंधों में ढील दी गई थी। इससे पहले शनिवार को अलग-अलग इलाकों में दोपहर 1 बजे और 3.30 बजे से दो-दो घंटे के लिए पहली बार कर्फ्यू में ढील दी गई थी। पिछले बुधवार को हुई हिंसा को छोड़कर कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मंगलवार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक ढील दी गई थी और बाद में इसे 12 बजे तक बढ़ा दिया गया।

लेह में अतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट गुलाम मोहम्मद ने छूट की अवधि के दौरान सभी किराना, आवश्यक सेवाओं, हार्डवेयर और सब्ज़ियों की दुकानें खोलने का आदेश दिया। उन्होंने बताया कि लेह शहर में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अभी भी निलंबित हैं और कारगिल सहित केंद्र शासित प्रदेश के अन्य प्रमुख हिस्सों में पांच या उससे अधिक लोगों

पुलिस और अर्धसैनिक बल संवेदनशील इलाकों में बड़ी संख्या में तैनात

के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगाने वाली निषेधाज्ञा अभी भी लागू है।

सोमवार को उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से एकता और सद्भाव बनाए रखने और असामाजिक व राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड्यंत्रों का शिकार न होने का आग्रह किया। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उल्लेखनीय संयम और प्रतिबद्धता दिखाने के लिए लोगों की सराहना की और बातचीत और लोकतांत्रिक तरीकों से उनके हर जायज़ मुद्दे का समाधान करने का वादा किया। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग पर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए आहूत बंद के दौरान हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद 24 सितंबर की शाम को लेह शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया था। इस घटना के बाद दो पार्षदों समेत 60 से ज़्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया। इनमें जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल थे, जिन्हें 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार करके राजस्थान की जोधपुर जेल में शिफ्ट किया गया है।

समग्र अपराध ग्राफ़ 2021 से 2023 तक जम्मू-कश्मीर में गिरावट दर्शाता है : एन.सी.आर.बी

जम्मू, 30 सितंबर। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में 2021 से 2023 तक कुल अपराध घटनाओं की संख्या में कमी आई है और इस अवधि के दौरान 2,080 मामलों की गिरावट दर्ज की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को एनसीआरबी की वार्षिक रिपोर्ट का 71वां संस्करण जारी किया, जिसमें कैलेंडर वर्ष 2023 के अपराध आंकड़ों का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) अपराधों और विशेष एवं स्थानीय कानूनों (एसएलएल) के तहत अपराधों सहित समग्र अपराध आंकड़ों में 2021 में 31,675 से 2022 में 30,197 और 2023 में 29,595 मामलों में कमी देखी गई है। आंकड़ों में 2021 से 2023 तक 2,080 मामलों की कमी देखी गई है। मामलों के विवरण के अनुसार, एसएलएल से संबंधित मामलों में वृद्धि हुई है। इसमें कहा गया है कि मामलों की संख्या 2022 में 4,282 और 2021 में 4,228 से बढ़कर 2023 में 4,468 हो गई, और ऐसे मामलों में आरोपपत्र दाखिल करने की दर 90.7 प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि, भारतीय दंड संहिता से संबंधित मामलों में 2,320 की कमी आई है—2021 में 27,447 से घटकर 2022 में 25,915 और 2023 में 25,127 हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में संज्ञेय अपराधों की दर 184.3 प्रति लाख थी, जबकि आरोप-पत्रों की दर बढ़कर 79.1 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर में 2023 में 0.6 अपराध दर प्रति लाख के साथ 101 पीड़ितों से जुड़े 84 हत्या के मामले दर्ज किए गए, और इस वर्ष 1,010 व्यक्तियों से जुड़े अपहरण के 1,004 मामले दर्ज किए गए।

मुख्य सचिव ने सामान्य प्रशासन विभाग के कामकाज की समीक्षा की

भर्ती, पारदर्शिता और शासन सुधारों के लिए समय-सीमा निर्धारित की

श्रीनगर, 30 सितंबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने नागरिक सचिवालय में आयोजित एक बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग के समग्र कामकाज की समीक्षा की।

सभी विभागों के प्रशासनिक सचिवों की उपस्थिति में हुई इस बैठक में सुधारों में तेजी लाने, पारदर्शिता बढ़ाने और सरकारी विभागों में सेवा वितरण को मजबूत करने जैसे विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए, अटल डुल्लू ने अधिकारियों से मिशन-उन्मुख और समयबद्ध तरीके से काम करने का आग्रह किया, जिसमें नवाचार, दक्षता और जन विश्वास पर जोर दिया जाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नागरिकों को समय पर सेवाएँ, निष्पक्ष प्रक्रियाएँ और जवाबदेही के एक स्पष्ट ढाँचे के माध्यम से बदलाव का

एहसास हो। मुख्य सचिव ने समयबद्ध तरीके से रिक्तियों को भरने पर जोर दिया और जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड को निर्धारित समय-सीमा के भीतर 1500 मल्टी-टास्किंग स्टाफ के पदों को भरने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर दक्षता में सुधार के लिए समय पर भर्ती महत्वपूर्ण है। बाधाओं को दूर करने और समयबद्ध एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए, अटल डुल्लू ने लोक सेवा आयोग और जेकेएसएसबी से सभी चरणों में भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संबंधितों को रिक्तियों को भरने में सक्रिय .ष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पदों को कुशलतापूर्वक और बिना किसी प्रशासनिक देरी के भरा जाए। मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि कर्मचारियों के मानव संसाधन संबंधी मुद्दों का समाधान अन्य प्रशासनिक प्राथमिकताओं की तरह ही महत्वपूर्ण है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस आतंकवाद और नशीले पदार्थों से लड़ रही है, युवाओं का मार्गदर्शन कर रही है: डीजीपी

श्रीनगर, 30 सितंबर। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस न केवल आतंकवाद और नशीले पदार्थों से लड़ रही है, बल्कि खेलों और पुनर्वास पहलों के माध्यम से युवाओं को सक्रिय रूप से शामिल भी कर रही है।

यहाँ 20वें जम्मू-कश्मीर पुलिस शहीद स्मारक फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 के समापन समारोह में बोलते हुए, डीजीपी ने सुरक्षा और सामाजिक जुड़ाव, दोनों ही मोर्चों पर पुलिस बल द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर प्रकाश डाला।

पुलिस बल के भीतर बलिदान की विरासत का उल्लेख करते हुए, डीजीपी ने कहा कि यह टूर्नामेंट उन 1,614 पुलिसकर्मियों की याद में आयोजित किया गया था, जिन्होंने सेवा के दौरान अपनी जान गंवाई है। उन्होंने कहा, इस साल कठुआ जिले

में एक ऑपरेशन में चार पुलिसकर्मी शहीद हो गए। शहीदों के परिवारों को राज्य और केंद्रीय योजनाओं, बैंकों और पुलिस कल्याण कोष के माध्यम से अनुग्रह राशि और अन्य राहत सहित वित्तीय सहायता मिली है।

डीजीपी ने कहा, कल्याणकारी उपायों के तहत, प्रत्येक शहीद के परिवार को 1 लाख रुपये की सीधी सहायता और बेटियों की शादी व बच्चों की शिक्षा के लिए अतिरिक्त सहायता मिलती है, जिसमें 12वीं कक्षा तक निजी स्कूलों में पढ़ाई के लिए सहायता भी शामिल है।

लेफ्टिनेंट जनरल ने लद्दाख के विभिन्न इलाकों में परिचालन तैयारियों का लिया जायजा

लेह, 30 सितंबर (।उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के विभिन्न अग्रिम इलाकों का दौरा कर परिचालन तैयारियों का जायजा लिया। 27 सितंबर को लेह पहुँचे सेना के उत्तरी कमांडर ने तैनात सैनिकों के उच्च मनोबल और दृढ़ प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। सेना की उत्तरी कमान ने सोमवार देर रात एक पोस्ट में कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने परिचालन तैयारियों की समीक्षा के लिए सियाचिन ब्रिगेड, पूर्वी लद्दाख और काराकोरम दर्रे में तैनात इकाइयों का दौरा किया और सभी रैंकों के उच्च मनोबल और दृढ़ प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। कमांडर ने सियाचिन बेस कैंप में राष्ट्रीय ध्वज प्रश्नोत्तरी विजेताओं से बातचीत की और उनकी राष्ट्रीय भावना और समर्पण की सराहना की।उन्होंने सियाचिन बेस कैंप में 7000 मीटर से अधिक ऊँची बेहद चुनौतीपूर्ण चोटी पर पर्वतारोहण अभियान को भी हरी झंडी दिखाई और उनके अदम्य साहस और पर्वतारोहण में एक नया मानदंड स्थापित करने के लिए उनकी सराहना की।

स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू ने स्कूलों के समय में बदलाव किया

जम्मू, 30 सितंबर। स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू ने 1 अक्टूबर से जम्मू संभाग में स्कूलों के समय में बदलाव का आदेश दिया है। इस विषय पर जारी सभी पूर्व आदेशों के स्थान पर, यह आदेश दिया जाता है कि जम्मू संभाग के ग्रीष्मकालीन क्षेत्र के सभी सरकारी और निजी (मान्यता प्राप्त) स्कूल अक्टूबर 2025 माह के लिए सुबह 9-00 बजे से दोपहर 3-00 बजे तक स्कूल का समय रखेंगे और 01-11-2025 से स्कूल का समय सुबह 9-30 बजे से दोपहर 3- 30 बजे तक रहेगा। जम्मू नगर निगम और आसपास के शहरी क्षेत्रों के स्कूलों को छोड़कर, जहाँ समय सुबह 9-00 बजे से दोपहर 3-00 बजे तक रहेगा, एक आदेश में कहा गया है। जम्मू संभाग के शीतकालीन क्षेत्र में 01-10-2025 से स्कूल का समय सुबह 9-30 बजे से दोपहर 3-30 बजे तक रहेगा।

केंद्रीय सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता ने जम्मू-कश्मीर में शिक्षा परिदृश्य की समीक्षा की

कक्षा 11 की बोर्ड परीक्षा समाप्त करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का आह्वान

श्रीनगर 30 सितंबर। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के केंद्रीय सचिव, संजय कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम के साथ आज जम्मू-कश्मीर में स्कूली शिक्षा विभाग की विस्तृत

समीक्षा की। एसकेआईसीसी श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए, केंद्रीय सचिव ने जम्मू-कश्मीर के सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षा की सुविधा के लिए स्थायी बुनियादी ढाँचे के उन्नयन के लिए प्रोत्साहित किया। शुरुआत में, संजय कुमार ने सरकारी स्कूलों में छात्रों के नामांकन में भारी वृद्धि का आह्वान किया और विभाग को सभी संस्थानों में व्यावसायिक और कौशल-आधारित शिक्षा के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जम्मू-कश्मीर स्कूल शिक्षा सचिव राम निवास शर्मा, कश्मीर स्कूल शिक्षा महानिदेशक जी.एन. इत्तू, जम्मू स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. नसीम चौधरी, समग्र शिक्षा, जेकेबोस, एससीईआरटी और कश्मीर व जम्मू स्कूल शिक्षा निदेशालयों सहित शिक्षा विभाग के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

क्राइम ब्रांच ने 1.25 करोड़ रुपये के ज़मीन घोटाले में प्रॉपर्टी डीलरों को किया गिरफ्तार

जम्मू , 30 सितंबर। क्राइम ब्रांच ने कठुआ के दो प्रॉपर्टी डीलरों को 1.25 करोड़ रुपये के बड़े ज़मीन घोटाले के आरोप में गिरफ्तार कर उनके ख़िलाफ़ आरोपपत्र दायर किया है। गिरफ़्तार और आरोपपत्र दायर प्रॉपर्टी डीलरों की पहचान देविंदर सिंह पुत्र जय सिंह निवासी वार्ड नंबर 10, कठुआ और अनिल कुमार पुत्र बिशम्बर दास निवासी बैरा, कठुआ के रूप में हुई है। 2024 में, पठानकोट, पंजाब के जसविंदर सिंह और ग्रेटर कैलाश, जम्मू के वरिंदर शर्मा की लिखित शिकायत पर एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें कहा गया था कि शिकायतकर्ता ट्रांसवर्ल्ड इंफ़्रा डेवलपर्स एंड बिल्डर्स फर्म में साझेदार होने के नाते कठुआ में एक इकाई बनाने का इरादा रखते थे। आरोपी देविंदर सिंह और अनिल कुमार ने उनसे संपर्क किया और दावा किया कि उनके पास गोविंदसर गाँव, कठुआ में 270 कनाल ज़मीन है। आरोपियों ने ज़मीन के मालिकाना हक़ के रिकॉर्ड में हेराफेरी करके अपनी ज़मीन बेच दी, जबकि उनकी ज़मीन उनकी थी ही नहीं और शिकायतकर्ताओं से ?1.25 करोड़ की ठगी की। इससे पहले भी, कठुआ पुलिस स्टेशन में उपरोक्त आरोपियों में से एक देविंदर सिंह के ख़िलाफ़ आईपीसी की धारा 120-बी, 323, 415, 417, 419, 420, 426, 447, 465, 467, 468, 471, 506 के तहत एफआईआर संख्या 323/2020 दर्ज की गई थी। उसके ख़िलाफ़ अपराध साबित हो गए और अदालत में चालान पेश किया गया।

जाविद डार ने बागवानी क्षेत्र को सशक्त बनाने पर फल मंडी संघों के साथ परामर्श बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 30 सितंबर। कृषि उत्पादन ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सहकारिता और निर्वाचन विभाग के मंत्री जाविद अहमद डार ने निदेशालय बागवानी योजना एवं विपणन, जम्मू-कश्मीर में कश्मीर संभाग के फल एवं सब्ज़ी मंडी संघों के अध्यक्षों और पदाधिकारियों के साथ एक परामर्श बैठक की अध्यक्षता की जिसका उद्देश्य बागवानी क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों की समीक्षा करना और समाधान खोजना था।

निदेशक बागवानी योजना एवं विपणन, गुलाम जिलानी ज़रगर ने विभाग की वर्तमान गतिविधियों और पहलों का विवरण पेश किया। इसमें फ़सल के बाद प्रबंधन को मजबूत करने, विपणन तंत्र में बेहतर संपर्क

स्थापित करने और बागवानी उत्पादों के विपणन में दक्षता बढ़ाने के प्रयास शामिल थे। वार्ता के दौरान हितधारकों ने कई मुद्दे उठाए, जिनमें अतिरिक्त नियंत्रित वातावरण भंडारण सुविधाओं की आवश्यकता, पैकेजिंग सामग्री की उपलब्धता एवं मानकीकरण, राष्ट्रीय राजमार्ग और मुगल रोड पर सुगम परिवहन, प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, फ़सल बीमा कवरेज, बाजार हस्तक्षेप योजना को मजबूत करना, ई-एनएएम व्यापार को बढ़ावा देना तथा मंडियों के बेहतर संचालन जैसी मांगें शामिल थीं। मंत्री ने सभी चिंताओं को सुना और आश्वासन दिया कि इनका समाधान करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

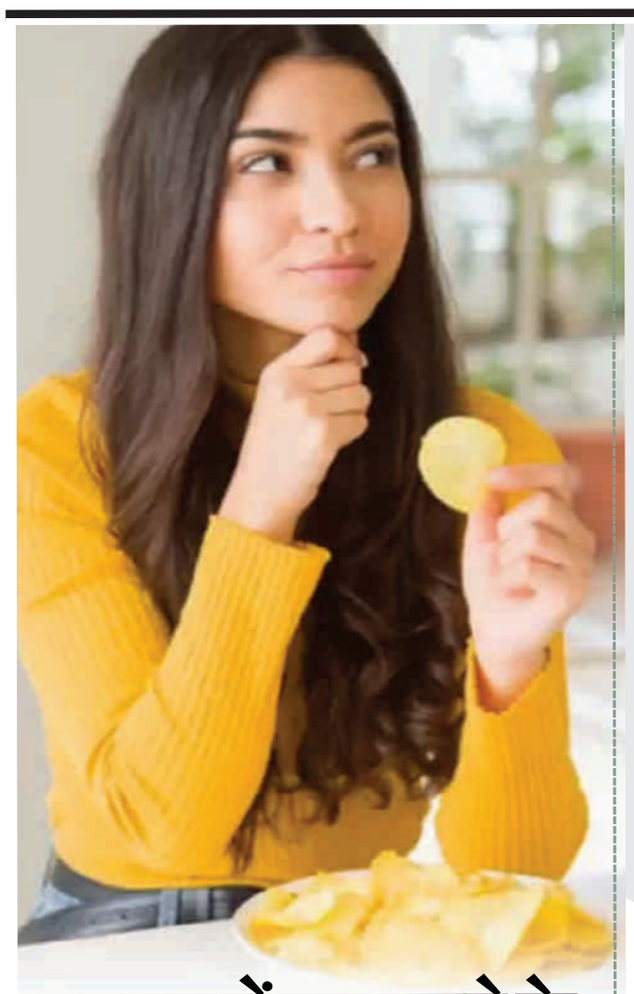

नवरात्र में व्रत रखने के साथ-साथ सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी

नवरात्र में नौ दिन के व्रत में सामान्यत- फलाहार लिया जाता है। कुछ लोग केवल एक वक़्त खाते हैं और कुछ फलाहार के चलते सामान्य दिनों के मुकाबले अधिक असंतुलित आहार लेने लगते हैं। इससे शरीर को पोषण तो नहीं मिलता, लेकिन कैलोरी, वसा और शर्करा की मात्रा ज़रूर बढ़ जाती है। इसी तरह लंबे अंतराल के बाद जब कुछ खाते हैं तो

कि किन खाद्यों के सेवन से आप अपने व्रत को स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सार्थक बना सकते हैं...

पर्याप्त तरल पदार्थ

व्रत के दौरान शरीर को हाइड्रेटेड रखना भी ज़रूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी तो पीना ही है, साथ में अन्य तरल पदार्थ जैसे नींबू का जूस या शिकंजी और नारियल पानी भी पिएं। फलों का रस ले सकते हैं लेकिन छाने बिना यानी कि जिसमें फल के रेशे भी हों। फलों के रस के साथ-साथ फाइबर भी मिलेगा जो कि भोजन को पचाने के लिए बहुत ज़रूरी है। तरल पदार्थ से शरीर को ज़रूरी विटामिन और खनिज मिलेंगे। फाइबर युक्त भोजन लेने की दूसरी वजह यह भी है कि व्रत के दरमियान कम भोजन ग्रहण करने से कब्ज़ की समस्या हो सकती है। इसलिए

लोग ले सकते हैं जिन्हें फल खाना पसंद नहीं या चबा नहीं सकते। यह भी ध्यान रखें कि जूस घर का बना ही पीना है।

खानपान की सलाह

कम होती है और पोषक तत्वों की मात्रा अधिक होती है। इसी तरह कम वसा युक्त दही, लस्सी और छाछ ले सकते हैं। तेल की बहुत कम मात्रा में भुनी हुई मूंगफली, कुट्टू के आटे की रोटियां ले सकते हैं। कम तेल या घी में बने हुए फलाहारी आलू, साबूदाना खिचड़ी या टिक्की ले सकते हैं। तेल में तली हुईं टिक्कियां खाने से बचें। आलू के बजाय लौकी की सब्ज़ी और हलवा (कम घी में) ले सकते हैं। सबसे ज़रूरी बात, व्रत के दौरान घर का बना शुद्ध भोजन ही खाएं।

फल-सब्जियां लें

व्रत में फल और सब्ज़ियों के सलाद का सेवन कर सकते हैं। एक या

पर्याप्त मात्रा ले सकते हैं। गैर मौसमी फल, जैसे तरबूज़, ख़रबूज़, संतरे आदि का सेवन बिल्कुल न करें। वहीं सब्ज़ियों में खीरा, टमाटर, चुकंदर, हरा धनिया और शकरकंद आदि पर सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर डालकर खाया जा सकता है।

थोड़ा-थोड़ा खाएं

ऐसे कई लोग हैं जो व्रत के दौरान दिनभर कुछ नहीं खाते, और जब खाते हैं तो भूख से अधिक खा लेते हैं, जैसे कि एक प्लेट भरकर फलाहारी आलू, सिंघाड़े का हलवा, थोड़े-से आलू के चिप्स और एक गिलास दूध। इससे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचेगा और वज़न भी बढ़ेगा। एक-साथ खाने के बजाय बेहतर है कि आप दिनभर में तीन-चार बार थोड़ा-थोड़ा खाएं।

शरीर को आराम दें

इस दौरान खानपान में बदलाव होने के कारण आपके दिमाग़ और शरीर को खानपान के पैटर्न को समझने में समय लगेगा। इस स्थिति में थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है या चिड़चिड़ाहट हो सकती है। बेहतर होगा कि समय-समय पर आराम करें। रात को जल्दी सोएं और भरपूर नींद लें। यदि दफ़्तर में हैं तो दिमाग़ और शरीर को अधिक मेहनत न कराएं।

दिवाली की तैयारी कई महीनों पहले से ही शुरू हो जाती है। अमूमन महिलाएं दिवाली से पहले अपने घर के कोने-कोने की सफाई कंप्लीट कर लेना चाहती हैं। यूं तो हम सभी अपने घर को समय-समय पर साफ करते हैं, लेकिन दिवाली के अवसर पर घर के हर कोने को साफ किया जाता है।

दिवाली पर आपकी क्लीनिंग को बेहद आसान बनाएंगे ये गैजेट्स

दिवाली वर्ष में एक बार आने वाला ऐसा त्योहार होता है, जिसकी तैयारी कई महीनों पहले से ही शुरू हो जाती है। अमूमन महिलाएं दिवाली से पहले अपने घर के कोने-कोने की सफाई कंप्लीट कर लेना चाहती हैं। यूं तो हम सभी अपने घर को समय-समय पर साफ करते हैं, लेकिन दिवाली के अवसर पर घर के हर कोने को साफ किया जाता है। अगर आप दिवाली की सफाई बिना किसी परेशानी के बेहद ही आसान तरीके से करना चाहती हैं तो इन गैजेट्स की मदद ले सकती हैं। हालांकि, ऐसा करने में बहुत अधिक समय व मेहनत खर्च करना पड़ता है। कई बार महिलाओं का बहुत अधिक समय दिवाली की सफाई करने में ही खर्च हो जाता है। लेकिन अगर आप अपने समय व मेहनत को बचाना चाहती हैं तो कुछ गैजेट्स को खरीद सकती हैं। यह क्लीनिंग गैजेट्स आपके घर की सफाई के काम को ना केवल आसान बनाते हैं, बल्कि इससे आपको अधिक बेहतर रिजल्ट भी मिलते हैं।

खरीदें स्क्रीन क्लीनिंग ब्रश

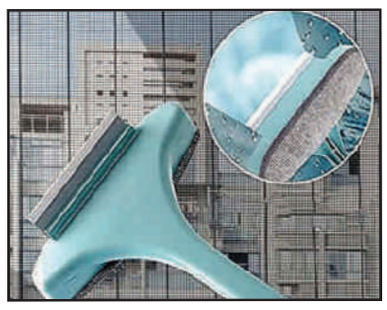

यह एक मल्टीफ़ंक्शनल स्क्रीन ब्रश होता है, जिसकी मदद से आप ग्लॉस, खिड़कियों, काउंटरटॉप आदि कई जगहों की बेहद आसानी से सफाई कर सकती हैं। आप इसे लिंट ब्रश के रूप में भी उपयोग कर सकती हैं और अपने कपड़े, सोफे आदि से धूल और बालों को हटा सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसे गीला व व सूखा दोनों तरह से इस्तेमाल किया जाता है। धूल हटाने की सफाई इसे सूखा उपयोग करें, वहीं विंडो क्लीन करने के लिए इसे गीला इस्तेमाल करें।

खरीदें माइक्रोफाइबर फैन क्लीनिंग डस्टर

यह एक बेहद ही काम का प्रोडक्ट है, जो दिवाली की क्लीनिंग के दौरान आपके बेहद ही काम आने वाला है। यह वास्तव में एक फैन क्लीनिंग डस्टर है, लेकिन आप इससे सिर्फ फैन ही नहीं, बल्कि अपने घर के कई कोनों को आसानी से साफ कर सकती है। फर्श की सफाई करने से लेकर आप झूमर, दीवारें व कई ऐसी जगहों को क्लीन कर सकती हैं, जिसे हाथों की मदद से साफ करना काफी कठिन है। माइक्रोफाइबर फैब्रिक के उपयोग के कारण आपको अधिक बेहतर रिजल्ट मिलता है।

खरीदें शॉवर हेड क्लीनिंग ब्रश

दिवाली की सफाई के दौरान बाथरूम को साफ करना काफी मुश्किल होता है और इसमें काफी वक्त भी लगता है। मसलन, अगर आप शॉवर हैड को क्लीन करते हैं तो उसके छोटे-छोटे छेदों को साफ करना यकीनन एक टफ टास्क है। ऐसे में आप शॉवर हेड क्लीनिंग ब्रश का इस्तेमाल करें। इसके ब्रश ऐसे होते हैं जो उन छोटे छेदों को अनक्लॉग करके उसे अच्छी तरह साफ करने में आपकी मदद करते हैं। हालांकि, इस ब्रश की मदद से आप शॉवर हेड के अलावा अपना फोन या घर की टैप आदि को भी साफ कर सकती हैं।

खरीदें इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर

दिवाली पर जब महिलाएं अपने घर को साफ करना शुरू करती हैं तो वह हर कोने को साफ करने के लिए उसे अच्छी तरह रगड़ती हैं। जिसके कारण उनके हाथों से लेकर कमर तक में दर्द हो जाता है। लेकिन अगर आप इस दिवाली इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर खरीदती हैं तो आपको अपने घर को रगड़ने की मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। आप अपने फर्श से लेकर दीवारों, शॉवर, बाथटब, किचन आदि जगहों पर इस इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर का इस्तेमाल करें। यह कुछ ही मिनटों में उस जगह को एकदम से चमका देगा।

बाजार से परफ्यूम क्यों खरीदना ? बस इन एसेंशियल ऑयल का करें इस्तेमाल

गुलाब के फूलों की खुशबू से बेहतर दूसरी खुशबू शायद ही कोई और हो। इसलिए आप रोज एसेंशियल ऑयल को बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करें। इसकी महक काफी तेज होती है, इसलिए आपको इस तेल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। एक बूंद आपको प्यारी महक देगी।

हम सभी अपनी डे टू डे लाइफ में तरह-तरह के परफ्यूम का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इनकी महक आपको एक फील गुड देता है। लेकिन कई लोगों को परफ्यूम के इस्तेमाल के कारण परेशानी होती है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप एसेंशियल ऑयल को ही परफ्यूम की तरह इस्तेमाल करें। यह ना केवल आपको पूरा दिन महकाने में मदद करेंगे, बल्कि आपको अन्य भी कई लाभ मिलेंगे। कई परफ्यूम में फ़ेथलेट्स जैसे हानिकारक सिंथेटिक तत्व होते हैं, वहीं दूसरी ओर एसेंशियल ऑयल सिंथेटिक नहीं होते हैं और इनमें वास्तव में उपचार गुण हो सकते हैं।

जैसमीन एसेंशियल ऑयल

जैसमीन एसेंशियल ऑयल एक ऐसा ऑयल है, जिसे परफ्यूम के रूप में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। यह महंगा है, लेकिन किसी खास अवसर के लिए इसे इस्तेमाल किया जा सकता है। इस तेल में एक मीठी, फूलों की सुगंध है जो आपको ऐसा महसूस कराएगी कि आप चमेली के बगीचे से गुजर रहे हैं। चमेली के तेल में अपनी मादक सुगंध के अलावा चिंता को कम करने की क्षमता भी होती है। तो ऐसे में आप खुद को तनावमुक्त रखने के लिए भी इसके इस्तेमाल पर विचार कर सकते हैं।

रोज एसेंशियल ऑयल

गुलाब के फूलों की खुशबू से बेहतर दूसरी खुशबू शायद ही कोई और हो। इसलिए आप रोज एसेंशियल ऑयल को बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करें। इसकी महक काफी तेज होती है, इसलिए आपको इस तेल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। एक बूंद आपको प्यारी महक देगी।

इलंग इलंग एसेंशियल ऑयल

इलंग इलंग एसेंशियल ऑयल इलंग इलंग फूलों से बनाया जाता है। इसकी सुगंध काफी आनंददायक होती हैं। यह आपको एक खुशनुमा अहसास करवाती है। अगर आप चाहें तो इसे भी बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करने पर विचार कर सकते हैं। इसकी खुशबू काफी रोमांटिक होती है। इंडोनेशिया में तो नवविवाहितों के पलंगों के ऊपर इलंग इलंग के फूल बिछाए जाते हैं।

फलाहार के नए स्वाद

स्टफ्ड साबूदाना बड़ा, मीठे में पान की मिठाई और फलों का श्रीखंड बनाएं

नवरात्र में व्रत के दौरान फलाहार को लेकर अक्सर असमंजस बना रहता है कि हर रोज़ ऐसा क्या बनाएं, जो स्वाद में नयापन लिए हो और सेहत के लिहाज़ से भी ठीक हो। आपकी इस मुश्किल को दूर करने के लिए हम नौ दिनों के लिए नौ ख़ास रेसिपी यहां प्रस्तुत कर रहे हैं। इन्हें तैयार करने में समय भी कम लगेगा और व्रत में नया फलाहार भी मिलेगा।

स्टफ्ड साबूदाना वड़ा

क्या चाहिए

दही- 5 बड़े चम्मच (हंग कर्ड), जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, आलू- 4 मध्यम आकार के उबले हुए, साबूदाना- 1 कप (6-8 घंटे पानी में

मूंगफली- 1/2 कप दरदरी पिसी, हरा धनिया- आवश्यकतानुसार, सेंधा नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच। भरावन के लिए- दही- 5 बड़े चम्मच (हंग कर्ड), जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, सेंधा नमक- स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं

बोल में आलुओं को मसल लें। इसमें साबूदाना, हरी मिर्च, हरा धनिया, सेंधा नमक, काली मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर और मूंगफली डालकर गूंध लें। अलग बोल में भरावन की सामग्री मिला

भरावन भरें। वड़े को बंद करके गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तल लें। साबूदाना वड़े को चटनी के साथ परोसें।

पान की मिठाई

क्या चाहिए

मिल्क पाउडर- 6 बड़े चम्मच, आइसिंग शुगर- 1 बड़ा चम्मच, खाने वाला नारियल तेल- 5 बड़े चम्मच, गुलकंद- 1 बड़ा चम्मच, पान का

लिए- फूल के आकार का सिलिकॉन सांचा।

ऐसे बनाएं

मिक्सिंग जार में मिल्क पाउडर, आइसिंग शुगर, नारियल तेल, गुलकंद और पान का पत्ता डालकर पीस लें। अब सांचे में पहले 4-5 टूटी फ्रूटी डालें फिर थोड़ा पिसा हुआ मिश्रण डालकर अच्छी तरह से दबा दें। मिश्रण भरे सांचे को फ्रिज में रखें और आधे घंटे बाद निकालें। अब हल्के हाथों से सांचे को दबाते हुए मिठाई को बाहर निकाल लें। इसे सामान्य तापमान में लाकर या ठंडा ही सर्व करें।

समा चावल फिरनी

क्या चाहिए

समा के चावल- 1/4 कप, दूध- 500 मिली, शक्कर- स्वादानुसार, बादाम और काजू- 1/2-1/2 बड़ा चम्मच कटे हुए, पिस्ता- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ, इलायची पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, अनन्नास के टुकड़े- 1/4 कप, केसर- 5-6 धागे।

ऐसे बनाएं

कड़ाही में दूध उबलने रखें। एक-दो उबाल आने पर समा के चावल

जब तक कि वो गाढ़ी न हो जाए। चावल पकने के बाद आख़िर में

काजू, पिस्ता और इलायची पाउडर डालकर मिलाएं। फिरनी को ठंडा करके अनन्नास के टुकड़े डालकर परोसें।

पनीर-केला रोल्स

क्या चाहिए

पनीर- 200 ग्राम, हरी मिर्च- 3 बारीक कटीं, नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च- 1/4 छोटा चम्मच, हरा धनिया- ज़रूरत के अनुसार। लपेटने के लिए- कच्चे केले- 1-2, लौंग- 8-10, तेल- 2 बड़े चम्मच। सलाद के लिए- गाजर- 2 किसी हुई, ऑलिव ऑयल- 1 बड़ा चम्मच, तिल- 1/2 छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं

कच्चे केले को छीलकर उसकी लंबी स्लाइस काट लें। इन स्लाइस को पैन में एक चम्मच तेल डालकर शैलो फ्राय करें। इन्हें टिशू पेपर

लें फिर इसमें हरी मिर्च, हरा धनिया, नमक और काली मिर्च पाउडर मिला दें। पनीर की छोटी-छोटी बॉल्स बना लें और केले की स्लाइस से लपेटकर उनमें लौंग लगा दें, ताकि ये खुलें नहीं। अब इन पनीर रोल्स को पैन में एक चम्मच तेल डालकर दोनों तरफ़ से सुनहरा होने तक शैलो फ्राय करें। सलाद बनाने के लिए कद्दूकस की हुई गाजर में नमक, काली मिर्च पाउडर, तिल और ऑलिव ऑइल मिलाएं। प्लेट में गाजर का सलाद और पनीर-केला रोल्स रखकर परोसें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शास्त्रीय गायक पंडित साजन मिश्र ने अभिनव थिएटर में दी प्रस्तुति

जम्मू, 30 सितंबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी (जेकेएएसीएल) ने स्पिक मैके जम्मू और कश्मीर के सहयोग से आज अभिनव थिएटर जम्मू में एक भव्य शास्त्रीय संगीत समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन के सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार पद्म भूषण पंडित साजन मिश्र ने मनमोहक प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में जम्मू क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों, कलाकारों, लेखकों, विद्वानों और संगीत प्रेमियों की एक बड़ी संख्या उपस्थित थी।

कार्यक्रम की शुरुआत पंडित साजन मिश्र और स्वरांश मिश्र द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई जिसमें जेकेएएसीएल की अतिरिक्त सचिव सोनाली अरुण गुप्ता, जेकेएएसीएल जम्मू के मंडल प्रमुख डॉ. जावेद राही और स्पिक मैके जम्मू चैप्टर के अध्यक्ष सुरेश शर्मा भी शामिल हुए। उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए सुरेश शर्मा ने संगीत कार्यक्रम के आयोजन के पीछे के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और इस बात पर ज़ोर दिया कि स्पिक मैके का प्राथमिक उद्देश्य युवाओं और समुदाय के बीच भारतीय शास्त्रीय परंपराओं के बारे में जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मज़बूत करने के लिए जेकेएएसीएल के सहयोग से कई और प्रस्तुतियाँ आयोजित की जा रही हैं। अपने संबोधन में सोनाली अरुण गुप्ता ने कहा कि अकादमी शास्त्रीय संगीत-गायन और वाद्य दोनों-को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है और एक ऐसा मंच प्रदान कर रही है जहाँ राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध कलाकार और स्थानीय प्रतिभाएँ आपस में जुड़ सकें और भारतीय संगीत की सदियों पुरानी परंपराओं को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की पहल जम्मू के सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करती है और युवा पीढ़ी को शास्त्रीय कला रूपों की सराहना और अभ्यास करने के लिए प्रेरित करती है पंडित साजन मिश्रा ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए लगभग दो दशकों के बाद जम्मू में प्रस्तुति देने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और अभिनव थिएटर के साथ अपने पुराने जुड़ाव को याद किया। उन्होंने भारतीय ज्ञान प्रणाली में शास्त्रीय संगीत की भूमिका और लोगों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने और उन्हें ऊपर उठाने की उसकी क्षमता पर विचार किया।

एनसीसी कैडेट्स ने 166 सैन्य अस्पताल, जम्मू में सैन्य अस्पताल अटैचमेंट कैंप में भाग लिया

जम्मू, 30 सितंबर (हि.स.)। जम्मू, कश्मीर और लद्दाख निदेशालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कुल 34 कैडेट्स ने 18 से 29 सितंबर 2025 तक आयोजित 166 सैन्य अस्पताल, जम्मू में सैन्य अस्पताल (एमएच) अटैचमेंट कैंप में भाग लिया। इस कैंप का आयोजन आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवा प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए किया गया था जिसमें ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद क्षेत्र में आपदा राहत अभियानों के दौरान आई चुनौतियों को ध्यान में रखा गया था। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में चिकित्सा सहायता और आपातकालीन प्रतिक्रिया का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

हेरिटेज विभाग की टीम ने पुराने रेलवे स्टेशन में जारी कार्य के बारे में हासिल की जानकारी

आरएस पुरा, 30 सितंबर (हि.स.)। आरएस. पूरा कस्बा स्थित पुराने रेलवे स्टेशन भवन का मंगलवार को हेरिटेज विभाग की टीम ने दौरा किया और चल रहे हेरिटेज कार्य का जायजा लिया।

पुराने रेलवे स्टेशन का यह भवन आजादी से पहले से ही रेलवे स्टेशन के रूप में कार्यरत था और अब इसे हेरिटेज घोषित करने का कार्य हेरिटेज विभाग द्वारा किया जा रहा है। हेरिटेज विभाग की अधिकारी डॉ. संगीता शर्मा ने बताया कि आरएस पुरा में पुराने रेलवे स्टेशन में जारी कार्य का आज प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दौरा किया गया है और कार्य की समीक्षा की गई है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा क्षेत्र में जितनी भी हेरिटेज बिल्डिंग हैं उनके बारे में भी जानकारी हासिल की गई अनुराधा ठाकुर ने कहा कि कब्जाधारियों को भवन खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कब्जाधारियों ने त्योहार के कारण समय मांगा था लेकिन आज मौके पर जाकर देखा गया कि लोग अब भी भवन में रह रहे हैं। इसके चलते प्रशासन ने उन्हें स्पष्ट रूप से भवन खाली करने का आग्रह किया।

स्थानीय लोगों ने अधिकारियों के निर्देश का विरोध किया। उनका कहना है कि उनकी तीसरी पीढ़ी यहां जीवन-यापन कर रही है और पहले पुराने रेलवे स्टेशन भवन खाली कराने पर सरकार ने उन्हें मकान उपलब्ध कराए थे। उन्होंने मांग की कि अब भी उन्हें अन्यत्र रहने के लिए वैकल्पिक आवास दिया जाए।

जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू में नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम

जम्मू, 30 सितंबर (हि.स.)। सेवा पर्व के अंतर्गत जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू में राष्ट्रीय समन्वय समिति ऑन रिस्पॉन्सिबल ड्रग यूज़ एनकॉर्ड के बैनर तले प्राणीशास्त्र विभाग के सहयोग से नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में

संसाधन व्यक्ति के रूप में सहायक प्रोफेसर डॉ. शीतू रैना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं में नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि विद्यार्थियों एवं शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है कि वे समाज में जागरूकता फैलाकर नशामुक्त वातावरण तैयार करें। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में एनकॉर्ड कमेटी और प्राणीशास्त्र विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया और उन्हें नशा मुक्ति अभियान के राजदूत बनने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. राहुल कैत, संयोजक एनकॉर्ड कमेटी ने किया। समिति के अन्य सदस्य और प्राणीशास्त्र विभाग के संकाय सदस्य भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्टाफ और विद्यार्थियों की उत्साही भागीदारी देखने को मिली।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू में शारदा दीवार पत्रिका का लोकार्पण

जम्मू, 30 सितंबर (हि.स.)। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू के हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ विभाग द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक दीवार पत्रिका शारदा का नवीनतम अंक सोमवार को जारी किया गया। लोकार्पण समारोह में कुलपति प्रो. संजीव जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त उपायुक्त सांबा जगदीश सिंह, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर पीबीआई इंडिया संजय पुरी तथा नाबार्ड (जम्मू-कश्मीर) की उपमहाप्रबंधक उर्मिला लता मौजूद रहीं। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से पत्रिका का विमोचन किया।

विभागाध्यक्ष प्रो. भरत भूषण ने स्वागत भाषण में विभाग की शैक्षिक और सांस्कृतिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ. शशिकांत मिश्रा ने शारदा के उद्देश्यों पर जानकारी दी और इस अंक के संपादन में शोधार्थी अंशु कुमारी और विष्णु के योगदान की सराहना की। वहीं कुलपति प्रो. संजीव जैन ने पत्रिका से जुड़े सभी योगदानकर्ताओं और संपादकीय दल को बधाई देते हुए इसे और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने के लिए प्रेरित किया।

शहीद भगत सिंह की जयंती मनाई

जम्मू, 30 सितंबर (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के सामरिक एवं क्षेत्रीय अध्ययन विभाग (डीएसआरएस) ने 30 सितंबर को शहीद भगत सिंह की जयंती जो 28 सितंबर को है के उपलक्ष्य में एक स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया। डीएसआरएस के स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में उस महान क्रांतिकारी को श्रद्धांजलि दी गई जिनके साहस, बलिदान और राष्ट्रवाद के आदर्श आज भी राष्ट्र को प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत शहीद भगत सिंह को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रवाद, साहस और सामाजिक न्याय के उनके दृष्टिकोण पर प्रकाश डालने वाली कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। निधि शर्मा, कनिका चिब, सज्जल खजूरिया, हर्ष खजूरिया और पीयूष चौधरी सहित छात्रों ने कार्यक्रम का सक्रिय रूप से समन्वय किया और इसमें भाग लिया।

स्वर्गीय हवलदार हरेंद्र सिंह रावत क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

राजौरी, 30 सितंबर (हि.स.)। भारतीय सेना ने थन्नामंडी में स्वर्गीय हवलदार हरेंद्र सिंह रावत क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन किया। ऑपरेशन सद्भावना के तत्वावधान में आयोजित यह टूर्नामेंट 9 अक्टूबर 2025 तक चलेगा जिसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं में खेल भावना, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और सौहार्द को बढ़ावा देना है। विभिन्न तहसीलों का प्रतिनिधित्व करने वाली कुल 18 टीमें और लगभग 270 उत्साही खिलाड़ी इस आयोजन में भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में लगभग 180 दर्शकों की उत्साहजनक उपस्थिति रही जिन्होंने अपनी टीमों का उत्साहपूर्वक उत्साहवर्धन किया और खेल भावना का जश्न मनाया। एक स्वागतपूर्ण और उत्सवी माहौल बनाने के लिए सभी खिलाड़ियों और आमंत्रित लोगों के लिए चाय और नाश्ते की व्यवस्था की गई थी।

यह टूर्नामेंट स्वर्गीय हवलदार हरेंद्र सिंह रावत की पावन स्मृति में आयोजित किया जा रहा है जिनका सर्वोच्च बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। एक खेल प्रतियोगिता होने के अलावा यह आयोजन युवा प्रतिभाओं को निखारने, एकता को बढ़ावा देने और भारतीय सेना व स्थानीय समुदाय के बीच संबंधों को मज़बूत करने का एक मंच भी है। टीमों, दर्शकों और गणमान्य व्यक्तियों की ज़बरदस्त प्रतिक्रिया इस क्षेत्र में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह और राष्ट्र निर्माण एवं सामुदायिक कल्याण के प्रति भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एसएमवीडी ट्रैक पर अनाधिकृत पिट्ठू संचालक पकडा गया, एफआईआर दर्ज

रियासी, 30 सितंबर (हि.स.)। चल रहे नवरात्रों के लिए लागू की गई कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस चौकी बाणगंगा के एक पुलिस दल ने श्री माता वैष्णो देवी (एसएमवीडी) ट्रैक पर गश्त के दौरान स्नान घाट संख्या 02, बाण गंगा के पास नियमित जाँच के लिए एक व्यक्ति को रोका। पूछताछ के दौरान व्यक्ति ने अपनी पहचान कुलविंदर सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी मसलोटे, तहसील थुरु, जिला रियासी के रूप में बताई। वह एसएमवीडी ट्रैक पर पिट्ठू वाहक के रूप में काम करता हुआ पाया गया। जब उससे पंजीकृत टट्टू व पिट्ठू संचालक के रूप में काम करने के लिए वैध सेवा कार्ड या लाइसेंस दिखाने के लिए कहा गया तो वह ऐसा करने में विफल रहा और उसने स्वीकार किया कि उसके पास ऐसी गतिविधि करने का कोई अधिकार नहीं है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

नि. पत्र सं. :- 138,144,145-2025-26-ADEN-1-FZR & 142,143-2025-26-ADEN-2-FZR दिनांक 25.09.2025

मण्डल अभियंता-मुख्यालय, फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं, अंतिम तिथि 16.10.2025 समय 15:00 बजे तक, www.ireps.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड, व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली शुरू की तिथि	बोली समापन की तिथि तथा समय
24.09.2025	02.10.2025	16.10.2025 / 15:00 बजे

क्र.सं.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण			
1	138-2025-26-ADEN-1-FZR	सहायक मंडल इंजीनियर-प्रथम/फिरोजपुर के अंतर्गत गंगसर जैतो स्टेशन पर पूर्ण लंबाई लोड को समायोजित करने के लिए माल लाइन विस्तार का कार्य।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	15763813.91/-	228800.00/-	60 दिन	06 महीने	
	कार्य की समान प्रकृतिः सीटीआर/टीआरआर/टीएफआर/टीटीआर जिसमें ट्रैक को ऊपर उठाना, स्क्रीनिंग, ट्रैक को तनावमुक्त करना, ट्रैक रखरखाव मशीन जैसे टैम्पिंग मशीन/बैलास्ट स्क्रीनिंग/रेगुलेटिंग मशीन और टीटीआर के पूर्व और बाद का कार्य शामिल है, टी-28 द्वारा।				
2	142-2025-26-ADEN-2-FZR	सहायक मंडल इंजीनियर-द्वितीय/फिरोजपुर के अधिकार क्षेत्र में वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर/पी.वे./फिरोजपुर के अनुभाग तहत में विविध पी.वे. ट्रैक रखरखाव का कार्य।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	4962646.47/-	99300.00/-	60 दिन	12 महीने	
	कार्य की समान प्रकृतिः कोई नहीं।				
3	143-2025-26-ADEN-2-FZR	सहायक मंडल इंजीनियर-द्वितीय/फिरोजपुर के अधिकार क्षेत्र में वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर/पी.वे./फाजिल्का के अनुभाग तहत में विविध पी.वे. ट्रैक रखरखाव का कार्य।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	4993339.88/-	99900.00/-	60 दिन	12 महीने	
	कार्य की समान प्रकृतिः कोई नहीं।				
4	144-2025-26-ADEN-1-FZR	सहायक मंडल इंजीनियर-प्रथम/फिरोजपुर के अधिकार क्षेत्र में वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर/पी.वे./मुक्तसर के अनुभाग तहत में विविध पी.वे. ट्रैक रखरखाव का कार्य।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	5493977.52/-	109900.00/-	60 दिन	12 महीने	
	कार्य की समान प्रकृतिः सीटीआर/टीआरआर/टीएफआर/टीटीआर जिसमें ट्रैक को ऊपर उठाना, स्क्रीनिंग, ट्रैक को तनावमुक्त करना, ट्रैक रखरखाव मशीन जैसे टैम्पिंग मशीन/बैलास्ट स्क्रीनिंग/रेगुलेटिंग मशीन और टीटीआर के पूर्व और बाद का कार्य शामिल है, टी-28 द्वारा।				
5	145-2025-26-ADEN-1-FZR	सहायक मंडल इंजीनियर-प्रथम/फिरोजपुर के अधिकार क्षेत्र में वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर/पी.वे./एमक्यूएफ के अनुभाग तहत में विविध पी.वे. ट्रैक रखरखाव का कार्य।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	5493497.20/-	109900.00/-	60 दिन	12 महीने	
	कार्य की समान प्रकृतिः सीटीआर/टीआरआर/टीएफआर/टीटीआर जिसमें ट्रैक को ऊपर उठाना, स्क्रीनिंग, ट्रैक को तनावमुक्त करना, ट्रैक रखरखाव मशीन जैसे टैम्पिंग मशीन/बैलास्ट स्क्रीनिंग/रेगुलेटिंग मशीन और टीटीआर के पूर्व और बाद का कार्य शामिल है, टी-28 द्वारा।				

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे। 2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे। 3014/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पुंछ में पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के साथ संवाद का आयोजन

पुंछ, 30 सितंबर (हि.स.)। भारतीय सेना की अपने विस्तृत परिवार के कल्याण और खुशहाली के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता के अनुरूप जर्रान वाली गली में पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के साथ संवाद का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में कई कल्याणकारी पहलों पर चर्चा की गई जिनमें पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं पर एक सूचनात्मक व्याख्यान, समाधान वेब पोर्टल पर तत्काल पंजीकरण, एक शिकायत निवारण सत्र, प्राथमिक स्वास्थ्य जाँच सुविधाएँ और सीएसडी सुविधाओं का विस्तार शामिल है।

कार्यक्रम का समापन वीर नारियों के अमूल्य बलिदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में उनके सम्मान के साथ हुआ।

इसके बाद चाय और अनौपचारिक बातचीत का आयोजन किया गया जिससे सेना और पूर्व सैनिकों के बीच सौहार्द और मज़बूत हुआ।

यह संपर्क भारतीय सेना के अपने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के प्रति देखभाल, सम्मान और निरंतर जुड़ाव के सिद्धांतों को दर्शाता है जो हमारे पूर्व सैनिक, हमारा गौरव की भावना को रेखांकित करता है।

यह बातचीत उच्च मनोबल और नए विश्वास के साथ समाप्त हुई जिससे पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को उनके कल्याण और खुशहाली के लिए भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता का भरोसा मिला।

NOTICE

I Ranjana kumari D/o sh. Ved Paul R/o village Kootah Tehsil Hiranagar District Kathua (UT of J&K) have applied for the correction of my name which has wrongly mentioned in my marks sheet certificate of 10th class Ranjana instead of Ranjana Kumari. Now I am going to apply for correction of the same is KV No. 1 Udhampur as Ranjana Kumari in marksheet certificate of 10th class. Objection If any may be conveyed to the concerned authority within in seven days from the publication of this notice.

Government of Jammu and Kashmir
OfficeoftheDeputyCommissioner, Samba

Email:samba@nic.inPhoneNo:01923-241143

Advertisement Notice No. 04 -of DE&CC Samba
Dated: - 29 -09-2025

Join MISSION YUVA-Build the Future of Entrepreneurship in J&K District Administration, Samba, invites applications from qualified External Trainers (Resource Persons) for the Hybrid Mode Capacity Building Program under Mission YUVA.

Name of Posts	Remuneration per month (Lump Sum in ?)
External Trainers (Resource Persons) for Hybrid Mode Capacity Building Programme	➢ Rs. 15,000 per batch upon course completion (batch of 30 participants) ➢ Rs. 7500 per batch if loans are sanctioned to =1/3 participants ➢ Rs. 7500 per batch if = 1/3 participants establish enterprises. ➢ Maximum potential incentive per batch Rs 30,000 ➢ Two batches in a month, Maximum potential remuneration per month Rs.60,000

Eligibility criteria
1. 25-45years as onthe dateof notication.
2. Domicile ofJammu&Kashmir
3. Minimum Bachelor's degree in Economics, Commerce, Business Administration, or Engineering with at least 60% marks from UGC- recognized university.
4. Work Experience: Relevant experience in entrepreneurship development, finance, marketing, or related fields is desirable.

Last Date for receipt of application is 27.10.2025

Role and Responsibilities:
1. Conduct in -person hybrid training sessions at designated institutions (universities, colleges, ITI's, Polytechnic Institutes, JKEDI, RSETI)
2. Mentor aspiring entrepreneurs in business planning, financial management, and marketing.
3. Facilitate online learning through Mission YUVA app and guide participants through hybrid modules.
4. Monitor trainee progress , maintain records, and coordinate with SBDU and DLIC for reporting.

Eligible and Interested candidates must register on the MISSIO YUVA portal at: https://missionyuva.jk.gov.in/Home Registration Participating Institute Registration is open year round, applications will be processed on a rolling basis. For further information if any required you may visit Employment Office Samba or call at 01923241939. YuvaSapne,NayiUmmedein-MissionYUVA Detailed advertisement is also available on website samba.gov.in

Note:This is a public service advertisement. No application fee is required.

No: ADDC/S/25-26/1187-89 Dated:29-09-2025

DIP/J-6377/25
Dtd: 30-9-2025

Sd/-
Deputy Commissioner, Samba

छात्रों की सुविधा हेतु वाटर कूलर लगाया

आमिर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 30 सितम्बर। गर्मी से जूझ रहे छात्रों को राहत देने के उद्देश्य से यूथ एक्शन कमेटी ने आज सरकारी बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल (त्नक्क्षास्स्) भद्रवाह में 50 लीटर क्षमता का वाटर कूलर स्थापित किया। इस सुविधा का उद्घाटन अतिरिक्त उपायुक्त भद्रवाह सुनील कुमार बुटयाल ने किया।

इस अवसर पर एसडीपीओ शौकत अहमद, नगर समिति के कार्यकारी अधिकारी रवी सैनी, डॉ. वर्षा कोटवाल तथा विद्यालय के प्राचार्य कपूर सिंह भी उपस्थित रहे। YAC के चेयरमैन नसीर महबूब ने बताया कि संगठन का यह कदम विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में उठाया गया है। उन्होंने कहा कि YAC समाज कल्याण और जनहित से जुड़े कार्यों के लिए लगातार प्रयासरत है।विद्यालय प्रशासन और छात्रों ने इस पहल का स्वागत करते हुए ब्ब्रष्ट को प्रशस्ति पत्र भेंट किया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल छात्रों के लिए उपयोगी हैं बल्कि स्थानीय निकायों और सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भूमिका को भी दर्शाते हैं, जो जमीनी स्तर पर शैक्षिक ढांचे को मजबूत बनाने में सहायक हैं।

एनसी ने जोनल कमेटी उधमपुर रियासी जोन वाईएनसी को नामित किया

जम्मू , 30 सितंबर (हि.स.)। प्रांतीय अध्यक्ष जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू रतन लाल गुप्ता ने सरदार तेजिंदर पाल सिंह (अमन) प्रांतीय अध्यक्ष वाईएनसी, जम्मू की सिफारिश के अनुसार जोनल कमेटी यूथ नेशनल कॉन्फ्रेंस उधमपुर रियासी जोन को नामित किया है।

जुगल किशोर को उधमपुर रियासी जोन वाईएनसी का जोनल अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। नवाज़ अहमद, आज़ाद अहमद, करण सिंह, बलदेव थापा और सुनील भारद्वाज को उधमपुर रियासी ज़ोन के जोनल उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। विक्रम सिंह जोनल सचिव उधमपुर रियासी जोन वाईएनसी। इस बीच गुरदेव सिंह, सैफ दीन, मुसरत बशीर, सज्जाद अहमद मलिक, माणिक बंसोत्रा ??एडवोकेट और दानिश बशीर को जोनल संयुक्त सचिव उधमपुर रियासी जोन वाईएनसी बनाया गया। रतन लाल गुप्ता ने नव मनोनीत वाईएनसी क्षेत्रीय समिति को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि युवा राष्ट्रीय सम्मेलन की टीम अपने-अपने जिला अध्यक्षों (मूल निकाय) के साथ घनिष्ठ समन्वय सुनिश्चित करेगी और अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी को जमीनी स्तर पर मज़बूत करने के लिए एकजुट होकर काम करेगी। वे यह भी सुनिश्चित करेंगे कि पंचायत स्तर पर पार्टी में नए युवा जुड़े।

संपादकीय

फर्जी धमकियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

हाल ही में, देश में यह आम बात हो गई है कि असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्व व्यस्त हवाई अड्डों पर ईमेल के ज़रिए बम की धमकियाँ भेजकर रोज़मर्रा की ज़िंदगी को अस्त-व्यस्त कर देते हैं। इसी संदर्भ में, ताज़ा मामला जम्मू हवाई अड्डे पर सामने आया है, जहाँ एक निजी विमान को बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद कथित तौर पर पूरी तरह से तोड़फोड़-रोधी अभ्यास किया गया। भारतीय शहरों में पहले हुए कई मामलों की तरह, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) और पुलिस द्वारा किए गए इस अभ्यास में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। हालाँकि रिपोर्टों ने पुष्टि की है कि तोड़फोड़-रोधी अभ्यास से सामान्य कार्यक्रम प्रभावित नहीं हुआ, लेकिन यह स्पष्ट है कि इस तरह की धमकियाँ रोज़मर्रा की गतिविधियों को बाधित करती हैं और कई बार यात्रियों को परेशानी में डाल देती हैं क्योंकि उन्हें कड़ी सुरक्षा जाँच से गुज़रना पड़ता है क्योंकि इन धमकियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह बताना ज़रूरी है कि कल सिर्फ़ जम्मू हवाई अड्डे पर ही नहीं, बल्कि दिल्ली और देश भर के कई अन्य हवाई अड्डों पर 300 से ज़्यादा स्कूलों को भी इसी तरह की धमकियाँ मिली थीं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू हवाई अड्डे पर किए गए सुरक्षा अभ्यास करने में मुश्किल हुई। कथित तौर पर, ये धमकी भरे ईमेल टेररा़इज़र्स111 नाम के एक समूह द्वारा भेजे गए थे, जिसने पहले भी ऐसे धमकी भरे संदेश भेजे थे। ये संदेश कथित तौर पर सुबह 6-08 बजे दिल्ली के स्कूलों और संस्थानों से जुड़े 300 से ज़्यादा ईमेल पतों के इनबॉक्स में पहुँचे। इसके अलावा, देश के अन्य हवाई अड्डों के अलावा, दिल्ली हवाई अड्डे को भी ईमेल भेजे गए। हाल के महीनों में, कई शैक्षणिक संस्थानों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को बार-बार बम की धमकियों का निशाना बनाया गया है। लगभग एक हफ़्ते पहले, दिल्ली के डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल और एक अन्य सर्वोदय विद्यालय सहित कई स्कूलों को ऐसी धमकियाँ मिली थीं। रिपोर्टों से पुष्टि हुई है कि इस तरह के फर्जी कॉल अपवाद के बजाय एक मानक बन गए हैं क्योंकि 2024 में 14 नवंबर तक भारत में एयरलाइनों को इसी तरह की 999 फर्जी कॉल प्राप्त हुई हैं और भारत भर में एयरलाइनों को इस साल 25 मार्च तक 24 फर्जी बम धमकी कॉल प्राप्त हुए हैं। इस समस्या से जुड़ी जटिलताओं को देखते हुए, सरकार को अपराधियों की पहचान करनी चाहिए और गलत काम करने वालों को हमेशा के लिए रोकने के लिए एक अनुकरणीय दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि देश प्रगति में बाधा डालने और राष्ट्रीय शांति को भंग करने के इरादे से इस तरह के व्यवधान बर्दाश्त नहीं कर सकता।

बुजुर्गों के प्रति हृदय में हर पल हो सम्मान का भाव

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस (1 अक्तूबर) पर विशेष

1991 में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत के बाद वर्ष 1999 को पहली बार 'बुजुर्ग वर्ष' के रूप में भी मनाया गया था। इस वर्ष 'अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' 'स्थानीय और वैश्विक कार्रवाई को आगे बढ़ाने वाले वृद्धजन - हमारी आकांक्षाएं, हमारा कल्याण, हमारे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय लचीले और समतामूलक समाजों के निर्माण, अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को बढ़ावा देने तथा वृद्ध लोगों के अधिकारों और कल्याण को नीति और कार्रवाई का केंद्र बनाने में वृद्धों की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर देता है।

– योगेश कुमार गोयल

भारतीय संस्कृति में सदा से बड़ों के आदर-सम्मान की परम्परा रही है लेकिन आज दुनिया के अन्य देशों सहित हमारे देश में भी वृद्धजनों पर बढ़ते अत्याचारों की खबरें समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। अधिकांश परिवारों में वृद्ध जिस तरह की उपेक्षा झेलने को मजबूर हैं, उससे ज्यादा पीड़ादायक और क्या हो सकता है। समृद्ध परिवार होने के बावजूद घर के बुजुर्ग वृद्धाश्रमों में जीवनयापन करने को विवश हैं। बहुत से मामलों में बच्चे ही उन्हें बोझ मानकर वृद्धाश्रमों में छोड़ आते देते हैं। हालांकि यह उम्र का ऐसा पड़ाव होता है, जब उन्हें परिजनों के अपनेपन, प्यार और सम्मान की सर्वाधिक जरूरत होती है। एक व्यक्ति जिस घर-परिवार को बनाने में अपनी पूरी जिंदगी खपा देता है, वृद्धावस्था में जब उसी घर में उसे अवांछित वस्तु के रूप में देखा जाने लगता है तो लगता है जैसे उस घर में रहने वालों की इंसानियत और उनके संस्कार मर चुके हैं।

विश्वभर में ऐसे हालात को देखते हुए ही वृद्धजनों के लिए कुछ कल्याणकारी कदम उठाने की जरूरत महसूस हुई थी। इसीलिए वर्ष 1982 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' जैसा नारा देते हुए 'सबके लिए स्वास्थ्य' अभियान का शुरू किया था। वृद्धों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने और वृद्धजनों के प्रति उदारता व उनकी देखभाल की जिम्मेदारी के अलावा उनकी समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र ने 14 दिसंबर 1990 को निर्णय लिया कि प्रतिवर्ष एक अक्तूबर का दिन दुनियाभर में 'अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की इस पहल के बाद एक अक्तूबर 1991 को पहली बार यह दिवस मनाया गया, जिसे 'अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस' के नाम से भी जाना जाता है। बुजुर्गों के प्रति वैसे तो सभी के हृदय में हर पल, हर दिन सम्मान का भाव होना चाहिए लेकिन दिल में छिपे इस सम्मान को व्यक्त करने के लिए औपचारिक तौर पर यह दिन निश्चित किया गया।

1991 में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत के बाद वर्ष 1999 को पहली बार 'बुजुर्ग वर्ष' के रूप में भी मनाया गया था। इस वर्ष 'अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' 'स्थानीय और वैश्विक कार्रवाई को आगे बढ़ाने वाले वृद्धजन - हमारी आकांक्षाएं, हमारा कल्याण, हमारे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय लचीले और समतामूलक समाजों के निर्माण, अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को बढ़ावा देने तथा वृद्ध लोगों के अधिकारों और कल्याण को नीति और कार्रवाई का केंद्र बनाने में वृद्धों की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर देता है।

भारतीय समाज में संयुक्त परिवार को हमेशा से अहमियत दी गई है लेकिन आज के बदलते परिवेश में छोटे और एकल परिवार की चाहत में संयुक्त परिवार की अवधारणा खत्म होती जा रही है। यही कारण है कि लोग अपने बुजुर्गों से दूर होते जा रहे हैं और नई पीढ़ी दादा-दादी, नाना-नानी के प्यार से वंचित होती जा रही है। एकल परिवार के बढ़ते चलन के कारण ही परिवारों में बुजुर्गों की उपेक्षा होने लगी है। न चाहते हुए भी बुजुर्ग अकेले रहने को मजबूर हैं। इसका एक गंभीर परिणाम यह देखने को मिला है कि बुजुर्गों के प्रति अपराध भी तेजी से बढ़े हैं। शहरों-महानगरों में आए दिन बुजुर्गों को निशाना बनाए जाने की खबरें दहला देती हैं।

दूसरा गंभीर परिणाम यह कि बच्चों को बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य नहीं मिलने के कारण उनके जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। एक सर्वे के अनुसार दादा-दादी या नाना-नानी के साथ रहने वाले बच्चों का विकास अकेले रहने वाले बच्चों की तुलना में कहीं ज्यादा अच्छा और मजबूत होता है और ऐसे बच्चों में आत्मविश्वास भी अधिक देखने को मिला है। आज पति-पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं, ऐसे में बच्चे घर में अकेले रहते हैं और कम उम्र में ही उनमें अवसाद जैसी समस्याएं पनपने लगती हैं। वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने हालांकि वर्ष 1999 में एक राष्ट्रीय नीति बनाई थी तथा उससे पहले वर्ष 2007 में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक भी संसद में पारित किया गया था, जिसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा का प्रावधान था लेकिन इसके बावजूद देशभर में वृद्धाश्रमों में बढ़ती संख्या इस तथ्य को इंगित करती है कि भारतीय समाज में वृद्धों को उपेक्षित किया जा रहा है। कुछ समय पहले 96 देशों में कराए गए एक सर्वे के बाद 'ग्लोबल एज वॉच इंडेक्स' जारी किया गया था। उस सूचकांक के मुताबिक करीब 44 फीसदी बुजुर्गों का मानना था कि उनके साथ सार्वजनिक स्थानों पर दुर्व्यवहार किया जाता है जबकि 53 फीसदी बुजुर्गों का कहना था कि समाज उनके साथ भेदभाव करता है।

भारतीय संस्कृति में जन्म देने वाली मां और पालन करने वाले पिता का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा माना गया है। सदियों से मान्यता रही है कि जिन घरों में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वे तीर्थस्थल से कम नहीं होते। ऐसे में वृद्धों के उत्पीड़न और उपेक्षा की घटनाएं बढ़ना गंभीर संकट का संकेत है। दरअसल वृद्धावस्था हर व्यक्ति के जीवन का एक पड़ाव है। यदि आज हम अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं तो आने वाले समय में हमें भी अपने बच्चों से कोई अच्छी उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए। वृद्धावस्था में बुजुर्ग शारीरिक रूप से शिथिल भी हो जाएं तो परिजनों का कर्त्तव्य है कि पूरे सम्मान के साथ उनका ध्यान रखा जाए। वृद्धावस्था में शारीरिक स्थिति में बदलव आना सामान्य बात है। बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, याद्दाश्त कमजोर पड़ने, भूलने जैसी समस्याएं आमतौर पर देखी जाती हैं लेकिन दवाओं के साथ-साथ परिजनों के अच्छे व्यवहार की मदद से ऐसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

आर्थिक समस्या से जूझते वृद्धों के लिए लगभग सभी पश्चिमी देशों में पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था है। भारत में भी वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा है लेकिन उनके सामने स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा अकेलेपन की जो समस्या है, उसका इलाज नहीं है। यह अकेलापन वृद्धजनों को भीतर ही भीतर सालता रहता है। हालांकि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का निर्णय निश्चित रूप से वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाएगा और इससे देश में करीब साढ़े चार करोड़ परि?वारों को लाभ होने की उम्?मीद है लेकिन बुजुर्गों के मामले में कई बार चिंताजनक स्थिति यह होती है कि बीमारी के समय में भी सांत्वना देने वाला उनका कोई अपना उनके पास नहीं होता। हालांकि आज कुछ ऐसी संस्थाएं हैं, जो एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे वृद्धों के लिए निःस्वार्थ भाव से काम कर रही हैं लेकिन ये संस्थाएं भी अपनों की महसूस होती कमी की भरपाई तो नहीं कर सकती। बहरहाल, वृद्धजनों को अपने परिवार में भरपूर मान-सम्मान मिले, इसके लिए सामाजिक जागरूकता जैसी पहल की सख्त दरकार है ताकि वृद्धों के प्रति परिजनों की सोच सकारात्मक होने से बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम जैसे स्थानों की समाज में आवश्यकता ही महसूस नहीं हो।

मनु और मनुस्मृति पर आघात करने वालों के लिए सबक है कर्नाटक न्यायालय का निर्णय

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय समाज में मनु और उनकी स्मृति को लेकर जो बहसें चली आ रही हैं, वे आज भी हमारे बौद्धिक विमर्श को उद्वेलित कर देती हैं। विडंबना यह है कि इन बहसों का बड़ा हिस्सा तथ्यों पर नहीं, बल्कि पूर्वाग्रहों और राजनीतिक स्वार्थों पर आधारित है। बीते दिनों कर्नाटक उच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि मनुस्मृति को लेकर जो विकृत धारणाएँ समाज में फैलाई जाती रही हैं, वे वास्तविकता से मेल नहीं खातीं। इस निर्णय ने उन सभी लोगों को एक सशक्त संदेश दिया है, जो मनु पर मनुवाद का आरोप लगाकर भारत की एक बड़ी जनसंख्या को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास करते रहे हैं। अब समय आ गया है कि इस विमर्श को तथ्यों और शोध की कसौटी पर परखा जाए और समझा जाए कि मनु ने वास्तव में मानव मात्र और राज्य के कल्याण की ही परिकल्पना की थी।

मनुस्मृति को प्रायः स्मृतियों में सबसे प्राचीन और व्यापक माना गया है। इसे मनु द्वारा रचित माना जाता है, जिन्होंने भारतीय समाज के संगठन और शासन के लिए कुछ मूलभूत सिद्धांत प्रस्तुत किए। इसमें धर्म, राजनीति, प्रशासन, शिक्षा और सामाजिक आचरण तक के विविध आयाम मिलते हैं। किंतु समस्या तब उत्पन्न हुई जब इस ग्रंथ के अनेक अंशों को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया गया और मनु को जातिवाद और सामाजिक असमानता का प्रवर्तक बताने का अभियान चलाया गया। वास्तव में मनुस्मृति का बड़ा हिस्सा राजनीति, शासन और राज्य के कल्याण से संबंधित है। उदाहरण के लिए, मनु कहते हैं कि राजा का पहला दायित्व है कि वह प्रजा की रक्षा करे, क्योंकि राज्य तभी टिक सकता है जब प्रजा सुखी हो। राजा धर्म से विमुख होकर यदि प्रजा को कष्ट देता है तो वह राज्य के पतन का कारण बनता है (मनुस्मृति, अध्याय 7, श्लोक 20)।

कर्नाटक उच्च न्यायालय का निर्णय और उसका संदेश

वस्तुतः मामला यह था कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 19 वर्षीय अनुसूचित जाति की महिला के बलात्कार में सहायता करने वाले सैयद फरवेज मुशर्रफ को जमानत देने से इनकार कर दिया और अपराध को बढ़ावा देने के लिए उनकी भूमिका की निंदा की। पीठ ने मनुस्मृति और महात्मा गांधी के आदर्शों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि समाज महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा का उल्लंघन करने वाले कृत्यों को माफ नहीं कर सकता। अपने फैसले में, न्यायमूर्ति रचैया ने मनुस्मृति का हवाला देते हुए कहा, यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता, यत्रैतास्तु पूज्यन्ते सर्वाष्तत्रफलाः क्रियाः - अर्थात् जहाँ स्त्रियों का सम्मान होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं; जहाँ स्त्रियों का अपमान होता है, वहाँ सभी कर्म निष्फल होते हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय का यह हालिया निर्णय बताता है कि मनुस्मृति को केवल जातिगत भेदभाव का ग्रंथ मानना भ्रांतिपूर्ण है। न्यायालय ने जिस तरह से मनु स्मृति को कोट किया, उससे स्पष्ट होता है कि इसे बार-बार गलत ढंग से उद्धृत कर समाज में वैमनस्य फैलाने का काम किया गया। निश्चित ही किसी ग्रंथ को समझने के लिए उसकी भाषा, काल और सांस्कृतिक संदर्भ को ध्यान में रखना अनिवार्य है।

वस्तुतः यह निर्णय उन सभी समूहों के लिए सबक है जो वर्षों से मनुस्मृति को हिन्दू समाज पर आरोप-प्रत्यारोप के लिए हथियार की तरह इस्तेमाल करते रहे हैं और आज भी कर रहे हैं। यदि भाषा-विशेषज्ञों और विद्वानों की मानें तो जो कठोर अंश बार-बार उद्धृत किए जाते हैं, वे बाद की प्रविष्टियाँ हो सकती हैं। मूल पाठ का हिस्सा नहीं।

संस्कृत के आचार्य हरप्रसाद शास्त्री और पं. भवानीशंकर शर्मा ने यह स्थापित किया था कि मनुस्मृति का मूल पाठ नीतिपरक और कल्याणकारी है, उसमें कठोरता बाद के शिल्पकारों द्वारा जोड़ी गई प्रतीत होती है (भवानीशंकर शर्मा, मनुस्मृति का पुनर्पाठ, वाराणसी, 1962, पृ. 58)।

महात्मा गांधी का दृष्टिकोण भी उल्लेखनीय है। उन्होंने स्वीकार किया कि मनुस्मृति में कई बातें ऐसी हैं जिनसे असहमति हो सकती है, किंतु साथ ही उन्होंने कहा कि मनु ने जहाँ-जहाँ मानव और समाज के कल्याण की बात कही है, वे आज भी अनुकरणीय हैं (यंग इंडिया, 1921, अंक 12)। गांधी इस बात पर जोर देते थे कि किसी भी प्राचीन ग्रंथ को उसके समग्र परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। यह विचार न्यायालय के निर्णय से भी मेल खाता है। आज के राजनीतिक विमर्श में मनुवाद शब्द का उपयोग एक गाली की तरह किया जाने लगा है। कई दल और विचारधाराएँ इसे एक उपकरण की तरह इस्तेमाल करती हैं ताकि हिन्दू समाज के भीतर वैमनस्य फैलाया जा सके। यह आरोप लगाया जाता है कि मनु ने स्त्रियों और शूद्रों को दबाने का कार्य किया। किंतु जो लोग यह कहते हैं, वे जानबूझकर उन श्लोकों को नज़रअंदाज कर देते हैं जहाँ स्त्रियों को पूजनीय बताया गया है; यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः (मनुस्मृति, अध्याय 3, श्लोक 56)। यदि देवताओं के निवास का आधार स्त्रियों का सम्मान है, तो क्या इसे स्त्री-विरोधी कहा जा सकता है?

इसी तरह, मनु ने यह भी कहा कि सभी वर्ण धर्म पालन के लिए हैं, किसी को केवल जन्म के आधार पर उच्च या नीच नहीं माना जा सकता। संस्कृत के विद्वान पं. राजेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने स्पष्ट किया है कि मनुस्मृति की वर्ण संकल्पना कर्म और गुण पर आधारित है, न कि जातिगत जन्म पर (राजेश्वर शास्त्री द्रविड़, वर्ण और जाति, दिल्ली, 1955, पृ. 102)। भाषाविदों का यह मानना है कि मनुस्मृति का मूल स्वरूप समय के साथ बदलता गया। विभिन्न कालखंडों में राजनीतिक और सामाजिक कारणों से इसमें प्रक्षेप हुए। यही कारण है कि एक ही श्लोक के कई संस्करण अलग-अलग पांडुलिपियों में मिलते हैं। पं. पांडुरंग वामन काणे ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक धर्मशास्त्र का इतिहास में लिखा है, मनुस्मृति के कई अंश ऐसे हैं जिनकी भाषा और शैली मूल पाठ से मेल नहीं खाती, इससे यह प्रमाणित होता है कि वे बाद में जोड़े गए (काणे, धर्मशास्त्र का इतिहास, खंड 2, बंबई, 1941, पृ. 311)।

बदला हुआ भारत- क्रिकेट और आत्मसम्मान का नया अध्याय

– डॉ. प्रियंका सौरभ

एशिया कप 2025 का अंतिम मुकाबला केवल क्रिकेट का रोमांचक खेल नहीं था। यह खेल से कहीं अधिक एक कूटनीतिक और सांस्कृतिक संदेश बनकर उभरा।

भारत ने पाकिस्तान को न सिर्फ़ मैदान पर हराया बल्कि मैच के बाद की औपचारिकताओं में भी ऐसा रुख़ अपनाया जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष, जो पाकिस्तान से हैं, उनसे ट्रॉफी स्वीकार करने से साफ़ इनकार कर दिया। परिणाम यह हुआ कि पुरस्कार वितरण समारोह घंटों तक खिंचता रहा और अंततः अधूरा रह गया। यह घटना भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। सवाल इतना भर नहीं है कि ट्रॉफी किसने थामी, बल्कि यह कि भारत ने यह कदम क्यों उठाया और इसके परिणाम क्या हैं।

क्रिकेट को अक्सर जेंटलमैन का खेल कहा जाता है, लेकिन भारत और पाकिस्तान के संदर्भ में यह खेल कभी केवल खेल नहीं रहा। यह दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव, सांस्कृतिक टकराव और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक बन चुका है। जब भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी लेने से इनकार किया, तो यह स्पष्ट संदेश था कि मैदान की जीत से आगे बढ़कर भारत अपने आत्मसम्मान को सर्वोपरि मानता है। एक तरह से यह खेल और कूटनीति का उल्टा रूप था। जहाँ खेल को आमतौर पर राजनीति को नरम करने का साधन माना जाता है, वहीं भारत ने खेल का मंच उपयोग करके राजनीतिक संदेश दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बार-बार यह दावा किया गया है कि भारत अब झुकता नहीं बल्कि अपनी शर्तें तय करता है। इस संदर्भ में टीम इंडिया का रुख़ उसी मानसिकता का विस्तार माना जा रहा है। भारत के लिए ट्रॉफी लेना केवल औपचारिकता था लेकिन जब देने वाला वही देश हो जिससे लगातार आतंकवाद, घुसपैठ और सीमा पर तनाव चलता रहा है, तो उस औपचारिकता का महत्व बदल जाता है। यह नया भारत केवल आर्थिक और सैन्य शक्ति की भाषा में नहीं बोलता बल्कि खेल के मंच पर भी राजनीतिक संदेश देने में पीछे नहीं है। इसके साथ ही घरेलू राजनीति में भी इस घटना का गहरा असर पड़ा। समर्थक वर्ग इसे मोदी युग का साहसिक कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष इसे खेल भावना पर चोट मानता है। हालांकि जनता में इसे

व्यापक रूप से आत्मगौरव की जीत के रूप में देखा गया।

हर साहसिक कदम के साथ आलोचना भी जुड़ती है। भारत के इस रुख़ को लेकर कई सवाल उठे। आलोचकों का कहना है कि क्रिकेट का मूल उद्देश्य देशों के बीच दोस्ती और सौहार्द बढ़ाना है। जब आप ट्रॉफी लेने से इनकार करते हैं, तो आप खेल की आत्मा पर चोट करते हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस घटना पर मिला-जुला रुख़ अपनाया। कुछ ने इसे भारत की दबदबा दिखाने की नीति कहा, तो कुछ ने इसे अहंकार बताया। सवाल यह है कि क्या इससे भारत की नरम शक्ति को नुकसान होगा। साथ ही यह भी बहस छिड़ी कि क्या खिलाड़ियों ने यह कदम अपनी इच्छा से उठाया या बोर्ड और सरकार के दबाव में अगर खिलाड़ी राजनीतिक निर्णयों में केवल मोहरे बन जाएँ, तो उनकी स्वतंत्रता और खेल की पवित्रता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट में विवाद कोई नई बात नहीं है। साल 1987 में जब पाकिस्तान के राष्ट्रपति जयपुर टेस्ट देखने आए थे, तब इसे क्रिकेट कूटनीति कहा गया। साल 1999 में कारगिल युद्ध से पहले चेन्नई टेस्ट में पाकिस्तान की जीत और उसके बाद की राजनीतिक हलचल को भी आज तक याद किया जाता है। साल 2008 में मुंबई हमलों के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला हमेशा के लिए रोक दी। साल 2023 में एशिया कप को लेकर स्थान विवाद खड़ा हुआ, जहाँ भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया और अंततः प्रतियोगिता संयुक्त रूप में आयोजित हुई। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में देखें तो साल 2025 की घटना कोई अलग घटना नहीं, बल्कि उसी लंबे सिलसिले का हिस्सा है।

इस घटना के दूरगामी परिणाम भी हो सकते हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद का मुख्यालय भले दुबई में है लेकिन पाकिस्तान लंबे समय से इसमें प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करता रहा है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसकी सहमति के बिना कोई ढांचा नहीं चल सकता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद तटस्थता का दावा करती है लेकिन अगर बड़ी टीमों में से एक यानी भारत इस तरह के कदम उठाकर राजनीतिक संदेश देती है, तो परिषद को मजबूरी में अपना रुख़ तय करना होगा। बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसी टीमें इस खींचतान के बीच कहाँ खड़ी होंगी, यह भी देखने वाली बात है।

भारत का यह रुख़ निश्चित रूप से नए भारत का प्रतीक है। यह भारत का वह चेहरा है जो आत्मगौरव को सर्वोपरि मानता है और औपचारिकता या परंपरा को उसके आगे झुका देता है। क्या भारत ने सही किया? समर्थकों के लिए जवाब सीधा है- हाँ, क्योंकि यह आत्मसम्मान का सवाल था। आलोचकों के लिए जवाब है- नहीं, क्योंकि खेल का मंच राजनीति का अखाड़ा नहीं होना चाहिए। असल सवाल यह है कि क्या क्रिकेट अब केवल क्रिकेट रहेगा या यह उपमहाद्वीप में हमेशा से राजनीति का विस्तार ही रहेगा। एशिया कप 2025 की यह घटना इस सवाल को और तीखा बना देती है। एक बात तय है- यह बदला हुआ भारत है। मैदान पर भी, मंच पर भी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हर साहसिक कदम के साथ आलोचना भी जुड़ती है। भारत के इस रुख़ को लेकर कई सवाल उठे। आलोचकों का कहना है कि क्रिकेट का मूल उद्देश्य देशों के बीच दोस्ती और सौहार्द बढ़ाना है। जब आप ट्रॉफी लेने से इनकार करते हैं, तो आप खेल की आत्मा पर चोट करते हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस घटना पर मिला-जुला रुख़ अपनाया।

पुंछ ने संभाग स्तरीय कबड्डी अंडर-14 बालक वर्ग टूर्नामेंट जीता

एजेंसी

किश्तवाड। इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम डोडा में अंडर-14 बालक वर्ग के लिए अंतर-जिला संभाग स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट और अंडर-17 व अंडर-19 बालिका वर्ग के लिए केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय वुशु टूर्नामेंट में आज विभिन्न जिलों के युवा एथलीटों ने रोमांचक प्रदर्शन किया। इस मेगा स्पोर्ट्स इवेंट का आयोजन युवा सेवा एवं खेल विभाग किश्तवाड़ द्वारा किया गया। दिन का मुख्य आकर्षण कबड्डी का फाइनल था जिसमें जिला पुंछ ने उल्लेखनीय टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए जिला रामबन को 31 अंकों की प्रभावशाली बढ़त के साथ हराया। इन मैचों में अनुशासन, खेल भावना और एकता के मूल्यों को दर्शाया गया जो युवा खेलों के मूल में निहित हैं। ये टूर्नामेंट महानिदेशक वाईएसएस जेएंडके अनुराधा गुप्ता और संयुक्त निदेशक वाईएसएस जम्मू विनाक्षी कौल के निर्देशन में और डीवाईएसएसओ किश्तवाड़ जाफर हैदर शेख की देखरेख में आयोजित किए जा रहे हैं। पुरस्कार वितरण समारोह ने टूर्नामेंट का शानदार समापन किया। डीवाईएसएसओ ने क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा अधिकारियों और गतिविधि प्रभारियों के साथ विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

बीसीसीआई टीम इंडिया और सपोर्ट स्टाफ को देगा 21 करोड़ रुपये का इनाम

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 जीतने के बाद भारतीय टीम पर इनामों की बारिश शुरू हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दुबई में पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली टीम इंडिया और सपोर्ट स्टाफ को कुल 21 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। यह रकम टूर्नामेंट की आधिकारिक प्राइज मनी से आठ गुना अधिक है। फाइनल मुकाबले में तिलक वर्मा की नाबाद 69 रनों की अर्धशतकीय पारी ने भारत को 5 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। इसी के साथ भारत ने पाकिस्तान को इस टूर्नामेंट में तीसरी बार हराया और लगातार नौवीं बार एशिया कप खिताब अपने नाम किया। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'तीन वार। शून्य जवाब। एशिया कप चैम्पियंस। संदेश साफ है। टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए 21 करोड़ रुपए का इनाम।' हालांकि बोर्ड ने इस पुरस्कार राशि के विभाजन की विस्तृत जानकारी अभी तक साझा नहीं की है। टीम को टूर्नामेंट आयोजकों से अलग से आधिकारिक प्राइज मनी के तौर पर यूएसडी 300,000 (लगभग 2.6 करोड़ रुपये) भी मिलेगी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने न केवल एशिया कप पर अपना दबदबा कायम किया, बल्कि आने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भी मजबूत संदेश दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी बड़ी पुरस्कार राशि टीम के मनोबल को और बढ़ाएगी और खिलाड़ियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए प्रेरित करेगी।

स्ट्रोक से वर्ल्ड चैंपियन तकः अद्भुत और प्रेरणादायी है पोलैंड की मैग्दलेना की यात्रा

नई दिल्ली। जब पोलैंड की मैग्दलेना एंड्रुस्ज़किविच ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में महिलाओं की ञ्72 400 मीटर फाइनल साइकिल रेस की फिनिश लाइन पार की, तो जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। दर्शकों के लिए यह एक दिव्यांग एथलीट की शानदार जीत थी, लेकिन मैग्दलेना के लिए यह सात वर्षों की संघर्ष, धैर्य और अटूट उम्मीदों का परिणाम था। 37 वर्षीय मैग्दलेना की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। सात साल पहले आए स्ट्रोक ने उनके जीवन की दिशा बदल दी थी। शरीर का एक हिस्सा निष्क्रिय हो गया और उन्हें लगा कि सब कुछ खत्म हो गया है, लेकिन इसी मोड़ ने उनकी नई यात्रा की शुरुआत की। फिजियोथेरेपी के दौरान फ्रेम साइकिल चलाना उनके लिए उम्मीद की पहली किरण बना। वह कहती हैं, ÷शुरुआत में यह सिर्फ पैरों पर खड़े होने की कोशिश थी। धीरे-धीरे यह जुनून बन गया और फिर मेरी पूरी ज़िंदगी। पांच साल पहले उन्होंने पैरा एथलेटिक्स को पूरी तरह अपनाया। जापान के कोबे में आयोजित पिछले संस्करण में उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले, 2023 पेरिस विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में वह रजत जीत चुकी थीं। रविवार को दिल्ली में उन्होंने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित करते हुए 1 मिनट 13 सेकंड में दौड़ पूरी की और सफलतापूर्वक अपने खिताब की रक्षा की।

डेनिस ग्नेजदिलोव ने एफ40 शॉटपुट में दो विश्व रिकॉर्ड के साथ मारी बाजी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही पैरा विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में डेनिस ग्नेज़दिलोव ने सोमवार को पुरुषों के एफ40 इवेंट में विश्व रिकॉर्ड को दो बार तोड़ते हुए शॉटपुट सर्कल में शानदार उपलब्धि हासिल की। शुरुआती 10.66 मीटर के प्रयास के बाद उनके पांचों थ्रो स्वर्ण पदक के लिए गए। रुस्तवी में जन्मे 38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपनी अलग ही पहचान बनाई, अपने तीसरे प्रयास में 11.85 मीटर थ्रो के साथ उन्होंने पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मिगुएल मोंटेइरो का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और आखिरी थ्रो में 11.92 मीटर थ्रो ने उनके रिकॉर्ड को और भी ऊंचा कर दिया। टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने अपना तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतकर इस खेल के इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों से लिख दिया। मिगुएल मोंटेइरो (पुर्तगाल) और गर्राह तनायाश (इराक) पहले भी पुरुषों के शॉट पुट एफ40 विश्व रिकॉर्ड का मालिक रह चुके।

हेरिटेज एक्सपेरिएंशल लर्निंग स्कूल ने ड्रीम डैश 2025 नेशनल फिनाले में जीते 10 पदक, उसैन बोल्ट ने बढ़ाया उत्साह

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरुग्राम स्थित हेरिटेज एक्सपेरिएंशल लर्निंग स्कूल के होनहार खिलाड़ियों ने ड्रीम डैश 2025 नेशनल फिनाले में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक अपने नाम किए। देशभर के बेहतरीन प्रतिभागियों के बीच मुकाबले में स्कूल के खिलाड़ियों ने अनुशासन, जज्बे और उत्कृष्टता का परिचय देते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। ड्रीम डैश, जो भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय स्कूल एथलेटिक्स कार्यक्रम है, में 15 शहरों के 400 से अधिक स्कूलों के 7,000 से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कई महीनों तक चले शहर-स्तरीय क्वालिफायर मुकाबलों के बाद दिल्ली-एनसीआर में आयोजित राष्ट्रीय फिनाले में हेरिटेज एक्सपेरिएंशल स्कूल के एथलीट्स ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और सबसे सफल दलों में शामिल रहे। इस प्रतियोगिता की खासियत रही ओलंपिक

चैम्पियन और विश्व एथलेटिक्स के दिग्गज उसैन बोल्ट की मौजूदगी, जिनकी उपस्थिति ने खिलाड़ियों का उत्साह दोगुना कर दिया। उनके साथ मुलाकात युवा एथलीट्स के लिए जीवनभर की प्रेरणा बन गई। स्कूल की पदक सूची का नेतृत्व प्रत्युष नायक और शुभ मंत्रि ने किया, जिन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में डबल गोल्ड जीते। नंदिका जैन ने 200 मीटर में स्वर्ण और 100 मीटर में रजत हासिल किया, जबकि रिनायरा दलाल ने 100 मीटर में रजत अपने नाम किया। अवनी अग्रवाल ने 200 मीटर में कांस्य पदक जीता और सेहर अरोड़ा सुवर्णा ने भी अपने वर्ग में कांस्य पदक दिलाया। वहीं, आयान नथानी ने 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर कुल पदकों की संख्या 10 पर पहुंचाई। विद्यालय की निदेशक एवं प्राचार्य नीना कौल ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा,सफलता उसी मेहनत में छिपी होती है जो आप लगाते हैं। हमें अपने विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व है। उन्होंने जो जज्बा और खेलभावना दिखाई, वही हेरिटेज एक्सपेरिएंशल स्कूल की असली पहचान है।

उसैन बोल्ट से मिलना उनके लिए जीवनभर की प्रेरणा रहेगा। इस जीत के साथ हेरिटेज एक्सपेरिएंशल लर्निंग स्कूल ने एक बार फिर साबित किया है कि वह समग्र शिक्षा के अपने दृष्टिकोण पर कायम है–जहां विद्यार्थी न सिर्फ शैक्षणिक क्षेत्र में बल्कि खेल और अन्य गतिविधियों में भी उत्कृष्टता हासिल कर राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं।

उपमुख्य सचेतक ने फुटबॉल दशहरा कप के विजेता व उपविजेता टीमों को किया सम्मानित

एजेंसी

धर्मशाला। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आईटीआई शाहपुर खेल मैदान में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल दशहरा कप के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं का खेलों की ओर रुझान समाज के लिए शुभ

संकेत है। ऐसे आयोजनों से युवाओं को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि आईटीआई शाहपुर खेल मैदान में 10 सोलर लाइटें लगाई जाएंगी, ताकि युवा सुबह और देर शाम भी खेल गतिविधियों को जारी रख सकें। प्रतियोगिता में कांगड़ा की टीम विजेता रही जबकि शाहपुर की टीम उपविजेता रही। समापन अवसर पर उपमुख्य सचेतक ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में जिला कांगड़ा की कुल 16 टीमों ने भाग लिया।

बाबा आगार जितो क्रिकेट क्लब ने जीता कटरा मानसून क्रिकेट कप का खिताब

एजेंसी

कटरा। कटरा में खेले गए मानसून क्रिकेट कप के फाइनल मुकाबले में बाबा आगार जितो क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन कर कटरा क्रिकेट क्लब को 13 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। इसमें हुए टॉस में बाबा आगार जितो क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। टीम की ओर से रोहित ने 48, राजेंद्र ने 28, सुंदर ने 25 रन बनाए जबकि अतिरिक्त से 8 रन जुड़े। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कटरा क्रिकेट क्लब की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 147 रन ही बना सकी और 13 रनों से हार गई। कटरा क्रिकेट क्लब की ओर से राहुल ने 35, हिमालय ने 36, रंजीत ने 12 और अंशुमान ने 11 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में बाबा आगार जितो की ओर से जगत ने 2, जितेंद्र ने 2, विकास और रोहित ने 1-1 विकेट लिया। वहीं कटरा क्रिकेट क्लब की ओर से प्रदीप ने 4 विकेट झटके।मुख्य अतिथि के

रूप में श्री माता वैष्णो देवी विधानसभा क्षेत्र के विधायक बलदेव राज शर्मा और स्पोर्ट्स स्टेडियम कटरा के निदेशक ध्रुव गुप्ता प्रेस क्लब कटरा के प्रधान अरुण शर्मा, भाजपा नेता मनोज शर्मा, रणजीत सिंह मौजूद रहे। उन्होंने विजेता टीम को 50,000 की पुरस्कार राशि वितरित की जबकि उपविजेता रही टीम को 11000 पुरस्कार राशि दी इस दौरान मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज का खिताब राजेंद्र को मिला। बेस्ट बल्लेबाज का खिताब भी राजेंद्र को दिया गया जबकि बेस्ट गेंदबाज का अवार्ड प्रदीप को मिला। टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया था। इस अवसर पर विधायक बलदेव राज शर्मा ने विजेता टीम को 3 लाख की राशि और खेल किट देने की घोषणा की। साथ ही स्पोर्ट्स अकादमी कटरा के अनूप बाबा को इतने शानदार आयोजन के लिए बधाई दी।

विश्व कप क्वालिफायर में साउथ अफ्रीका से अंक छीने गए, लेसोथो को मिली तकनीकी जीत

एजेंसी

केप टाउन। फीफा ने विश्व कप क्वालिफायर में दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों को झटका देते हुए टीम से तीन अंक छीन लिए हैं। अनुशासन समिति ने पाया कि मार्च में लेसोथो के खिलाफ खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने अयोग्य खिलाड़ी तेबोहो मकोएना को उतारा था, जिन्हें दो पीले कार्ड मिलने के कारण उस मैच से बाहर रहना चाहिए था। इस गलती के चलते दक्षिण अफ्रीका की 2-0 की जीत रद्द कर दी गई और लेसोथो को 3-0 से विजेता घोषित किया गया। फीफा के प्रवक्ता ने कहा, किसी भी टूर्नामेंट में निष्पक्ष खेल सर्वोच्च है। अयोग्य खिलाड़ी के शामिल होने की स्थिति में परिणाम बदलना अनिवार्य होता है। यह सुनिश्चित करता है कि सभी टीमें समान नियमों के तहत प्रतिस्पर्धा करें।इस फैसले से ग्रुप-सी की अंक तालिका में बदलाव हुआ है। दक्षिण अफ्रीका और बेनिन दोनों अब 14 अंकों पर बराबरी पर हैं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका केवल गोल अंतर से शीर्ष पर है। दोनों टीमों के पास अब दो-दो मैच शेष हैं, जिन पर उनके फाइनल तक पहुंचने का भविष्य निर्भर करेगा। दक्षिण अफ्रीका फुटबॉल एसोसिएशन ने इस फैसले पर निराशा जताई है। SAFA के महासचिव टेबोहो मोलोई ने कहा, ÷हम मानते हैं कि यह एक प्रशासनिक चूक थी, न कि जानबूझकर किया गया उल्लंघन। फिर भी हम फीफा के नियमों का

सम्मान करते हैं और आगे यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी गलती दोबारा न हो।

यह फैसला दक्षिण अफ्रीका की राह मुश्किल बना सकता है, जबकि लेसोथो को तकनीकी जीत से बड़ा मनोबल मिला है।

मैक्सवेल न्यूज़ीलैंड दौरे से बाहर, फिलिप को मिला मौका

एजेंसी

मेलबर्न।ऑस्ट्रेलिया को एक और झटका लगा है। टीम के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। नेट्स में गेंदबाज़ी करते समय मिचेल ओवेन के सीधे शॉट से उनकी दाईं कलाई में फ्रैक्चर हो गया। मैक्सवेल को तुरंत स्वदेश भेज दिया गया है और आने वाले दिनों में वे विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श करेंगे। हालांकि मेडिकल टीम को उम्मीद है कि उनकी रिकवरी तेज़ होगी, लेकिन भारत के खिलाफ 29 अक्टूबर से शुरू हो रही पांच मैचों की घरेलू टी20 सीरीज़ में उनका खेलना संदिग्ध है। वहीं वे बिग बैश लीग (बीबीएल) के दिसंबर मध्य तक फिट हो सकते हैं। इस चोट के चलते ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी सिक्सर्स और न्यू साउथ वेल्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज़ जोश फिलिप को टीम में शामिल किया है। फिलिप पहले भी जोश इंग्लिस के चोटिल होने पर चयन की दौड़ में थे, लेकिन उस समय एलेक्स कैरी को तरजीह दी गई थी। फिलिप सीधा मैक्सवेल का रिप्लेसमेंट नहीं हैं, लेकिन कैरी के

बैकअप विकल्प के तौर पर उन्हें टीम में जगह मिली है। मैक्सवेल की गैरमौजूदगी से ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप 2026 की तैयारियों पर असर पड़ सकता है। इंग्लिस और मैक्सवेल दोनों जैसे बहुमुखी बल्लेबाज़ टीम से बाहर हैं। कैमरन ग्रीन भी घरेलू क्रिकेट और एशेज़ की तैयारी के चलते इस सीरीज़ और भारत के खिलाफ टी20 सीरीज़ से बाहर रहेंगे। कप्तान पैट कमिंस पीठ की समस्या के चलते दोनों सीरीज़ में नहीं खेलेंगे, जबकि नाथन एलिस अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण टीम से बाहर हैं। मैक्सवेल बतौर पांचवें गेंदबाज़ न्यूज़ीलैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों के खिलाफ अहम भूमिका निभाने वाले थे। अब मैट शॉर्ट और मार्कस स्टोइनिस पर अतिरिक्त गेंदबाज़ी का दारोमदार रहेगा। कप्तान मिच मार्श के फिलहाल गेंदबाज़ी करने की संभावना कम है, जबकि टीम ट्रैविस हेड की ऑफस्पिन को भी टी20 प्रारूप में विकसित करना चाहती है। फिलिप लगभग दो साल बाद ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम में लौटे हैं। उन्होंने हाल ही में भारत ए के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन बीबीएल और टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली नहीं रहा है। पिछले दो बीबीएल सीज़न में उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतक निकला है और स्ट्राइक रेट भी 95 से कम रहा है। वहीं 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने केवल दो बार 13 रन से अधिक बनाए हैं।

पीकेएल-12 : अंकित दहिया की धाक, गुजरात जायंट्स की पहली जीत

एजेंसी

चेन्नई। प्रो कबड्डी लीग (सीजन-12) के 53वें मुकाबले में गुजरात जायंट्स ने आखिरकार हार का सिलसिला तोड़ते हुए यूपी योद्धाज को 33-27 से हरा दिया। इस जीत के हीरो रहे डेब्यू मैच खेल रहे रेडर अंकित दहिया, जिन्होंने शानदार डिफेंस करते हुए हाई फाइव पूरा किया और आठ अंक जुटाए। गुजरात ने नौ मैचों में लगातार पांच हार के बाद पहली जीत दर्ज की और अब उनके चार अंक हो गए हैं। दूसरी ओर, यूपी योद्धाज को नौ मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। गुजरात की ओर से राकेश (6 अंक) और शादलू (8 अंक) ने भी अहम योगदान दिया। वहीं, यूपी के लिए भवानी राजपूत (8 अंक) और गगन गौड़ा (6 अंक) ने संघर्ष किया, लेकिन टीम जीत तक नहीं पहुंच सकी। पहले हाफ में राकेश और शादलू के सुपर रेड्स की बदौलत गुजरात ने 21-16 की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में यूपी ने वापसी की कोशिश की, मगर अंकित दहिया के दमदार टैकल्स और आखिरी पलों की सटीक रणनीति से गुजरात ने 33-27 से जीत सुनिश्चित की।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 33 सदस्यीय कोर ग्रुप का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 33 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की। यह कैम्प 29 सितंबर से 18 अक्टूबर तक बेंगलुरु के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) सेंटर में आयोजित होगा। यह कैम्प भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है, क्योंकि टीम आगामी दो बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारी कर रही है। इनमें से 31वां सुल्तान अज्लान शाह कप 22 से 29 नवंबर तक इपो, मलेशिया में खेला जाएगा और इसके बाद दक्षिण अफ्रीका का उच्च-तीव्रता वाला दौरा होगा। टीम ने हाल ही में राजगीर में हुए हीरो मेन्स हॉकी एशिया कप 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, जहां भारत ने ट्रॉफी जीती और ख़ढ्ढ॥हॉकी मेन्स वर्ल्ड कप 2026 के लिए सीधे क्वालीफाई किया। अब टीम का ध्यान इस जीत के उत्साह को बनाए रखते हुए रणनीतिक तैयारी, कमजोर क्षेत्रों को

सुधारने और टीम में और गहराई लाने पर है। कैम्प से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, एशिया कप जीतना और वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था, लेकिन यह तो सिर्फ शुरुआत है। खिलाड़ी नए उत्साह के साथ वापस आए हैं। अब हमारा ध्यान सुल्तान अज्लान शाह टूर्नामेंट की रणनीतिक तैयारी पर है, जो दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले एक महत्वपूर्ण टेस्ट साबित होगा। सफलता सिर्फ परिणाम नहीं है, बल्कि यह है कि हम टीम के रूप में कैसे सीखते, अनुकूलित होते और आगे बढ़ते हैं।

33 सदस्यीय कोर ग्रुप सूचीः

गोलकीपरः कृष्ण बी पाठक, सुरज करकेरा, पवन, मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार।

डिफेंडरः संजय, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित, निलम संजीप एक्स, जरमनप्रीत सिंह, पूवन चंद्र बॉबी, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा, वरुण कुमार।

मिडफील्डरः राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, निलकांत शर्मा, मोहम्मद राहिल मूसिन, मनिंदर सिंह।

श्रीहरी नटराज ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में गोल्ड न मिलने पर निराशा जताई

एजेंसी

अहमदाबाद। अहमदाबाद के वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे 11वें एशियाई एक्वाटिक चैम्पियनशिप में भारत के जल-क्रीड़ा दल की शानदार शुरुआत के बाद डबल ओलंपियन श्रीहरी नटराज ने अपनी परफॉर्मेंस और पहले दिन के परिणामों पर प्रतिक्रिया दी। डबल ओलंपियन श्रीहरी नटराज ने पुरुषों के 200 मी फ्रीस्टाइल और 50 मी बैकस्ट्रोक में लगातार सिल्वर मेडल जीतने के बाद 4×100 मी मिडले रिले में भी भारत को ब्रॉन्ज दिलाने में मदद की। इस प्रतिष्ठित इवेंट में मेडल जीतने की यह उपलब्धि भारत को 16 साल बाद मिली है। पिछली बार 2009 में चीन में विधवल खड़े, संदीप सेजल और आरोन डी'सौजा ने भारत के लिए मेडल जीते थे। बेंगलुरु के जैन विश्वविद्यालय में एमबीए कर रहे 24 वर्षीय श्रीहरी ने कहा, हमारी शुरुआत बहुत अच्छी

रही। कुछ साथियों ने भी मेडल के लिए कड़ी टक्कर दी, जैसे धिनिधि और रोहित ने। युवा टीम में काफी क्षमता है। कई फाइनल में पहुंचे, यह खुद में एक अच्छा संकेत है। अगले तीन दिन उत्साह बनाए रखेंगे। श्रीहरी ने अपनी व्यक्तिगत परफॉर्मेंस पर कहा, हीट्स उतनी अच्छी नहीं थीं। 200 मी फ्रीस्टाइल में मैं लेन 1 में था, जो मेरी पसंद नहीं थी, लेकिन बाद में यह फायदा साबित हुआ। 50 मी बैकस्ट्रोक में थकान महसूस हुई।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम को 1-0 से हराया

एजेंसी

कैनबरा। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम को 1-0 से हराया। नेशनल हॉकी सेंटर, कैनबरा में खेले गए इस मुकाबले में कनिका सिवाच (32फीसदी) ने भारत के लिए निर्णायक गोल किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच

कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन तीसरी क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में कनिका सिवाच के महत्वपूर्ण फील्ड गोल ने भारत को जीत दिलाई। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 के खिलाफ लगातार दो मैच हारे थे, लेकिन इस जीत के साथ भारतीय टीम ने आत्मविश्वास वापस पाया है और बाकी मैचों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रखती है। भारत की अगली भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया के प्रीमियर हॉकी वन लीग क्लब, कैन्बरा चिल के खिलाफ होगी। ये मैच क्रमशः 30 सितंबर और 2 अक्टूबर को खेले जाएंगे, जिसके बाद भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा समाप्त होगा।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप : पांचवें दिन महिला एयर राइफल में भारत का क्लीन स्वीप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप नई दिल्ली 2025 में 10 मीटर एयर राइफल जूनियर महिलाओं की स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करके पोडियम पर क्लीन स्वीप किया। ओजस्वी ठाकुर ने अपनी 8वीं और 16वीं शॉट में दो शानदार 10.9 के साथ 252.7 अंकों के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी टीम की साथी हृदया श्री कोंडूर ने 250.2 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि क्वालिफिकेशन की नेता शंभवी एस. क्षीरसागर ने 229.4 अंकों के साथ सभी पोडियम स्थान हासिल किया। भारतीय तिकड़ी ने क्वालिफिकेशन में भी अपना दबदबा बनाए रखा, जिसमें शंभवी 632.0 अंकों के साथ पहले, ओजस्वी 631.9 के साथ दूसरे और हृदया 629.8 के साथ तीसरे स्थान पर थीं। क्रोएशिया की अनामारिजा तुर्क ने सबसे करीबी चुनौती पेश की, लेकिन फाइनल में 206.6 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं। अन्य फाइनलिस्ट्स में व्यक्तिगत एथलीट्स लिडिया वासिलेवा (184.5), वरवरा कार्दाकोवा (164.2), मारिया क्रुगलोवा (142.8) और स्लोवाकिया की कामिला नोवोतना (122.1) शामिल थीं। पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल जूनियर फाइनल में भारत के हिमांशु, जिन्होंने क्वालिफिकेशन में 633.7 के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, ने बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए 250.9 अंकों के साथ स्वर्ण जीत लिया। व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट दिमित्री पिमेनोव ने 249.9 अंकों के साथ रजत हासिल किया, जबकि भारत के अभिनव शॉ ने 228.4 अंकों के साथ कांस्य पर कब्जा किया। भारत के नरेन प्रणव वनिता सुरेश 187.0 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। एआईएन के कामिल नुरियाख्मेतोव चौथे (208.3) और उनके साथी सर्गेई नोवोसेलोव छठे (165.9) स्थान पर रहे। क्रोएशिया के डार्को टोमासेविक (144.8) और ओमान के खालिद मोहम्मद अली खालफ अल क़ल्बानी (123.5) ने लाइन-अप पूरा किया।

25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष फाइनल रोमांचक रहा, जिसमें व्यक्तिगत एथलीट अलेक्ज़ांद्र कोवालेव (एआईएन) ने शूट-ऑफ में भारत के मुकेश नेलावली को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। दोनों 27 हिट्स पर बराबरी पर थे। मुकेश, जिन्होंने क्वालिफिकेशन में तीसरा स्थान 571-20× के साथ हासिल किया था, ने रजत पर संतोष किया। भारत ने फिर भी डबल पोडियम हासिल किया, क्योंकि सूरज शर्मा, क्वालिफिकेशन नेता 577-15×, ने 21 हिट्स के साथ कांस्य जीत लिया। समीर चौथे (15 हिट्स), ग्रेट ब्रिटेन के टोबी एबरडीन (10) और एआईएन के जॉर्जी टारासोव (7) ने क्रमशः ने लाइन-अप पूरा किया। ट्रैप जूनियर क्वालिफिकेशन में प्रतिस्पर्धा कड़ी रही। महिलाओं में एआईएन की क्सेनिया सामोफालोवा, भारत की आद्या कट्यिाल और इटली की सोफिया गोरी ने 75 टारगेट्स में 70 हिट्स के साथ संयुक्त नेतृत्व किया, जबकि अमेरिका की लूसी मायर्स चौथे स्थान पर 69 हिट्स के साथ रही। भारत की तानिस्का सेंटिल कुमार सहित चार शूटर 68 हिट्स पर बंधे रहे। पुरुषों की जूनियर स्पर्धा में क्रोएशिया के टोनी गुदेल्ज़ और स्पेन के डैनियल फर्नांडीज डी वीसेंटे 73 हिट्स के साथ आगे थे, जबकि सात अन्य 72 हिट्स पर रहे। पुरुष और महिला ट्रैप क्वालिफिकेशन दिन 2 कल, 30 सितम्बर, 2025 को सुबह 9 बजे से 50 अतिरिक्त टारगेट्स के साथ आयोजित होगा, इसके बाद दोपहर में पदक फाइनल होंगे। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में 10 मीटर एयर राइफल जूनियर पुरुषों में मोहम्मद वानिया (627.1) छठे और पियूष शर्मा (626.0) सातवें स्थान पर रहे।

लगातार 7वें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार सातवें कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी निवेशकों की बिकवाली, आईटी सेक्टर की कमजोरी और इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स में 1.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की वजह से आज घरेलू शेयर बाजार मजबूती हासिल करने के बावजूद अंत में कमजोरी का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 0.50 प्रतिशत से अधिक की तेजी हासिल करने में सफल भी रहे। दूसरी ओर, बिकवाल भी लगातार अपना दबाव बनाते रहे और अंत में बाजार पर पूरी तरह से हावी भी हो गए, जिसके कारण अंततः सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में कमजोरी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.076 प्रतिशत और निफ्टी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, रियल्टी, मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और फार्मास्युटिकल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए।

कतर और बहरीन भी भारत के साथ व्यापार समझौते पर वार्ता करने के लिए इच्छुक : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए अमेरिका, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू, चिली और यूरोपीय संघ सहित कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि कतर और बहरीन भी भारत के साथ व्यापार समझौते पर वार्ता करने के लिए इच्छुक हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। पीयूष गोयल ने कहा कि ईएफटीए देशों (आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड) के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को मार्च, 2024 में अंतिम रूप दे दिया गया था, जो एक अक्टूबर से प्रभावी होगा। वाणिज्य मंत्री ने बताया कि भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ ऐसे समझौते कर चुका है। उन्होंने कहा कि अगस्त में भारत और यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू या ईईयू), जिसमें आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और रूस शामिल हैं, इन्होंने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए थे।

मूडीज ने भारत की बीएए3 रेटिंग को स्थिर दृष्टिकोण के साथ बरकरार रखा

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अमेरिकी टैरिफ के बावजूद मजबूत अर्थव्यवस्था और मजबूत बाहरी स्थिति का हवाला देते हुए भारत की बीएए3 रेटिंग को स्थिर दृष्टिकोण के साथ बरकरार रखा है। इसके साथ रेटिंग एजेंसी ने भारत की अन्य अल्पकालिक स्थानीय मुद्रा रेटिंग को भी पी-3 पर कायम रखा है। मूडीज रेटिंग्स ने जारी अपने आउटलुक में भारत की दीर्घकालिक स्थानीय और विदेशी मुद्रा जारीकर्ता रेटिंग और स्थानीय मुद्रा वरिष्ठ असुरक्षित रेटिंग को बीएए3 पर बरकरार रखा है। मूडीज ने जारी अपने नोट में कहा, रेटिंग की पुष्टि और स्थिर दृष्टिकोण हमारे इस दृष्टिकोण को दर्शाते हैं कि भारत की मौजूदा ऋण क्षमताएं बनी रहेंगी, क्योंकि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, मजबूत बाहरी स्थिति और मौजूदा राजकोषीय घाटे के लिए स्थिर घरेलू वित्तपोषण आधार शामिल हैं। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपने बयान में कहा कि भारत के लिए स्थिर दृष्टिकोण का कारण देश के सुधरते राजकोषीय मानक और प्रतिस्पर्धियों की तुलना में मजबूत संभावनाएं हैं। हालांकि, मूडीज ने कहा है कि अनिश्चित वैश्विक आर्थिक माहौल को देखते हुए राजस्व से जुड़े कुछ जोखिम भी हैं, जो राजकोषीय समायोजन और ऋण में कमी की राह को बाधित कर सकते हैं। इससे पहले 14 अगस्त को एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की साख को 'बीबीबी-' से एक पायदान बढ़ाकर 'बीबीबी' कर दिया था।

कुसुमगर लिमिटेड ने 650 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए दाखिल किया डीआरएचपी

नई दिल्ली। कुसुमगर लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। इसके शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक मुंबई स्थित इंजीनियर्ड फैब्रिक निर्माता कंपनी का 2 रुपये अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से प्रमोटरों द्वारा बिक्री की पेशकश पर आधारित है, जिसमें कोई नया निर्गम शामिल नहीं है। इसमें प्रमोटरों, सिद्धार्थ योगेश कुसुमगर, सपना सिद्धार्थ कुसुमगर और सिद्धार्थ योगेश कुसुमगर एचयूएफ के 650 करोड़ रुपये तक का ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) शामिल है। कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ की पूरी आय, प्रस्ताव व्यय को छोड़कर, प्रमोटरों, यानी विक्रय करने वाले शेयरधारकों को जाएगी, जबकि कंपनी को अपने पहले सार्वजनिक निर्गम के जरिए कोई धनराशि प्राप्त नहीं होगी। आईपीओ लॉन्च का मुख्य उद्देश्य उक्त बिक्री प्रस्ताव को क्रियान्वित करना और शेयरों को एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध करना है। इस ऑफर में पात्र कर्मचारियों के द्वारा सदस्यता आरक्षण भी शामिल है, और कर्मचारी आरक्षण वाले हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट भी दी जा रही है।

वायदा बाजार में नए शिखर पर सोना और चांदी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत लगातार नई ऊंचाई पर पहुंचने का नया कीर्तिमान बना रही है। इसी तरह घरेलू वायदा बाजार में भी सोना और चांदी की कीमत अभी तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई है। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर का गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट 1,15,939 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह अक्टूबर का गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट भी 1,14,992 रुपये प्रति 10 ग्राम की ऊंचाई पर पहुंचा हुआ है। सोने की तरह ही वायदा बाजार में चांदी की कीमत भी सर्वोच्च शिखर पर पहुंची हुई है। दिसंबर की डिलीवरी वाला सिल्वर फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट आज 1,44,179 रुपये प्रति किलोग्राम के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचा हुआ नजर आया। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद और डॉलर की कीमत में

ओवरऑल कमजोरी का रुख बनने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में तेजी आने के पीछे तमाम देशों पर अमेरिकी टैरिफ के बोझ को भी एक बड़ी वजह माना जा सकता है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापारिक तनाव, भारत के साथ ट्रेड डील को लेकर जारी अनिश्चितता, रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव की वजह से भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है।

इस तेजी का असर भारत में भी सर्राफा बाजार और वायदा बाजार के कारोबार में साफ-साफ नजर आ रहा है। इसी तरह कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि अक्टूबर के महीने में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में ट्रेडर्स को इस बात की भी उम्मीद है कि दिसंबर के महीने में भी अमेरिकी फेडरल रिजर्व एक बार फिर ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला ले सकता है। इसी संभावना की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी की कीमत को लगातार सपोर्ट मिल रहा है। उनका कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह जिस तरह से दवा, ट्रक और फर्नीचर पर नए टैरिफ का ऐलान किया है, उससे इक्विटी मार्केट में उतार चढ़ाव होने की संभावना काफी अधिक हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के अनुसार नए टैरिफ की दरें 1 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएंगी, जिसका असर दुनिया के कई देश पर पड़ेगा। इसी वजह से कई निवेशक सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोना और चांदी में निवेश करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

खनन क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन से देश का औद्योगिक उत्पादन अगस्त में चार फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का औद्योगिक उत्पादन अगस्त में चार फीसदी की दर से बढ़ा है, जो जुलाई माह में 4.3 फीसदी थी। खनन क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण यह वृद्धि दर्ज की गई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के जारी आंकड़ों में बताया कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित देश का औद्योगिक उत्पादन अगस्त में चार फीसदी बढ़ा है। आंकड़ों के मुताबिक खनन, विनिर्माण और बिजली की वृद्धि दर अगस्त में क्रमशः छह

फीसदी, 3.8 फीसदी और 4.1 फीसदी रही है। एनएसओ ने जुलाई महीने के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर को संशोधित कर 4.3 फीसदी कर दिया है, जबकि पहले यह अनुमान 3.5 फीसदी था। आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-अगस्त अवधि के दौरान देश का कुल औद्योगिक उत्पादन 2.8 फीसदी बढ़ा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान यह 4.3 फीसदी बढ़ा था। संशोधित कैलेंडर के अनुसार औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का त्वरित अनुमान अब प्रत्येक महीने की 28 तारीख को (या अगर 28 तारीख को छुट्टी हो तो अगले कार्य दिवस पर) जारी किया जाएगा।

एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात के भावनगर की कंपनी एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड ने अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड का 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस प्रस्ताव में 12,50,000 इक्विटी शेयरों तक का नया निर्गम और प्रमोटरों, हसमुखभाई मेघजीभाई विराडिया, वल्लभभाई मेघजीभाई विराडिया, वैभव वल्लभभाई विराडिया, मनीषाबेन विराडिया, सरिताबेन विराडिया, एकताबेन वैभवभाई विराडिया, तेजसभाई वल्लभभाई विराडिया और तीर्थराज हसमुखभाई विराडिया द्वारा 25,60,000 इक्विटी

शेयरों तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। एपीपीएल कंटेनर्स लिमिटेड इस नए निर्गम से प्राप्त 55 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी जरूरतों के वित्तपोषण के लिए 16 करोड़ रुपये के कुछ बकाया उधारों के पूर्ण या आंशिक रूप से पूर्व-भुगतान या पुनर्भुगतान करने के लिए करेगी। क्यूमुलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और शैनन एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग इसके लीड मैनेजर हैं और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस ऑफर का रजिस्ट्रार है।

डॉलर की तुलना में 4 पैसे की मामूली कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों, स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की मांग में तेजी आने का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में मामूली कमजोरी के साथ बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 4 पैसे फिसल कर 88.76 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 88.72 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की बढ़त के साथ 88.66 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद डॉलर की मांग में तेजी आने के कारण रुपये पर दबाव बढ़ता गया, जिसकी वजह से रुपया ओपनिंग लेवल से 11 पैसे

फिसल कर 5 पैसे की कमजोरी के साथ 88.77 के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 4 पैसे की गिरावट के साथ 88.76 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। आज ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 76.63 पैसे की कमजोरी के साथ 119.21 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 41.65 पैसे की गिरावट के साथ 104.01 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।

अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स की जोरदार एंट्री, पहले दिन ही मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिकल ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 754 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 13.8 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 858.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 13.6 प्रतिशत बढ़त के साथ 857 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 865 रुपये के स्तर तक पहुंचे, वहीं बिकवाली का दबाव बढने पर ये शेयर 806.25 रुपये के स्तर तक गिर भी गए। दिन भर का कारोबार होने के बाद अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स के शेयर 823.35 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 9.20 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स का 687.34 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 22 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के

लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 72.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 194.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 55.82 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 10.76 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 3.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 400 करोड़ रुपये के 53 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 38 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्जों के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 87.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 63.36 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में इसमें बढ़ोतरी हुई और ये उछल कर 118.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 43 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 1,250.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

प्राइमरी मार्केट में बढ़ेगी हलचल, अगले सप्ताह खुलेंगे 20 नए आईपीओ

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में जबरदस्त हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह कम से कम 20 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से 4 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष 16 आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं।

इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुए 14 आईपीओ में भी इस सप्ताह बोली लगाई जा सकेगी। इस सप्ताह नए आईपीओ की बमबारी होने के साथ ही लिस्टिंग के मोर्चे पर भी जमकर हलचल रहने वाली है। सोमवार से शुरू हो रहे इस सप्ताह 26 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। इनमें से सिर्फ 30 सितंबर को ही 9 कंपनियों के और 1 अक्टूबर को 8 कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाले हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 29 सितंबर को मेनबोर्ड सेगमेंट में ग्लौटिस लिमिटेड का 307 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सबस्क्रिप्शन के लिए खुल रहा है। ये आईपीओ 1 अक्टूबर को बंद होगा। आईपीओ में आवेदन करने के लिए 120 रुपये से लेकर 129 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 114 शेयर का है। ग्लौटिस लिमिटेड के शेयर बीएसई और एनएसई पर 7 अक्टूबर को लिस्ट हो सकते हैं। इसी दिन मेनबोर्ड सेगमेंट का ही ओम फ्रेट फॉरवार्डर्स का 122.31 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सबस्क्रिप्शन के लिए खुल रहा है। ये आईपीओ भी 3 अक्टूबर को बंद होगा। आईपीओ में आवेदन करने के लिए 128 रुपये से लेकर 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 111 शेयर का है। ओम फ्रेट फॉरवार्डर्स के शेयर बीएसई और एनएसई पर 8 अक्टूबर को लिस्ट हो सकते हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2,250 प्रदर्शकों और 5 लाख से अधिक आगंतुकों की रही रिकॉर्ड भागीदारी, 11,200 करोड़ की हुई व्यावसायिक पूछताछ

एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो संपन्न हो गया, इसने खुद को राष्ट्रीय व्यापार कैलेंडर में एक मील का पत्थर स्थापित किया है। पांच दिवसीय यह शो इंडिया एक्सपो सेंटर में एक प्रभावशाली समापन सत्र के साथ समाप्त हुआ। इस वर्ष शो में 2,250 से अधिक प्रदर्शकों की उपस्थिति रही और कुल 5,07,099 से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिनमें 1,40,000 से अधिक व्यावसायिक आगंतुक और 3,66,364 आम आगंतुक शामिल रहे। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव सूक्ष्म लघु उद्योग एव औद्योगिक आयुक्त आलोक कुमार ने शो की विस्तृत उपलब्धियां साझा करते हुए बताया कि 2,228 प्रदर्शक, 85 देशों से आए 525 अंतर्राष्ट्रीय खरीदार, 1,40,735 घरेलू बी2बी खरीदार और 3,66,364 बी2सी विज़िटर इस आयोजन का हिस्सा बने। 1,10,000 वर्ग मीटर का पूरा प्रदर्शनी क्षेत्र बुक हुआ और अतिरिक्त स्थान की व्यवस्था भी करनी पड़ी।

उन्होंने बताया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो सोनी रूस पार्टनर कंट्री रहा, जिसने आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया। 26 सितम्बर को आयोजित इंडिया-रूस बिज़नेस डायलॉग में 111 बी2बी मीटिंग्स हुईं, जिनमें 30 रूसी कंपनियों ने 90+ भारतीय एमएसएमई और निर्यातकों से मुलाकात की। चर्चाओं में मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा, अवसंरचना, आईटी और डिजिटल सॉल्यूशंस, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, पर्यटन और पशुपालन जैसे क्षेत्र प्रमुख रहे। इंडो-रशियन बिज़नेस राउंडटेबल में 50 से अधिक गणमान्य व्यक्ति और उद्योग जगत के नेता शामिल हुए। आयोजन में कुल 17 नॉलेज सेशंस आयोजित किए गए। इनमें नीति-निर्माता, उद्योग जगत के नेता, वैश्विक खरीदार और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हुए। चर्चाओं के केंद्र में विकसित यूपी 2047, 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में स्टार्ट-अप्स की भूमिका और एमएसएमई के लिए ई-कॉमर्स की क्षमता जैसे विषय रहे। उन्होंने बताया कि ट्रेड शो के तीसरे संस्करण में लगभग 11,200 करोड़ की व्यावसायिक पूछताछ दर्ज हुई। आयोजन में सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत और वैश्विक संस्थानों के बीच कुल 2,400 से अधिक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जिनकी कुल राशि 1,882 करोड़ रही। उन्होंने बताया कि यह कॉन्क्लेव युवाओं को नवाचारी बिज़नेस आइडिया प्रस्तुत करने का मंच भी बना। 113 स्टॉल्स के साथ इसमें 49 फ्रैंचाइज़ ब्रांड, 64 मशीनरी सप्लायर और 26 बिज़नेस ऑन व्हील्स मॉडल्स प्रदर्शित हुए। 7,500 से अधिक रजिस्ट्रेशन, 8,300 बिजनेस इंक्वायरी और 2,000 से अधिक छात्रों की सक्रिय भागीदारी दर्ज की गई। इंडिया एक्सपो मार्ट के चेयरमैन और सह-आयोजक, राकेश कुमार ने सामूहिक प्रयासों की सराहना की और प्रदर्शकों को आयोजन की वास्तविक शक्ति बताया।

स्टॉक मार्केट में गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की निराशाजनक शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। एफएमसीजी सेक्टर की कंपनी गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में निराशाजनक शुरुआत हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 322 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 8.38 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 295 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 8 प्रतिशत डिसकाउंट के साथ 296.05 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद पूरे दिन इस शेयर की चाल में उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 8.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 293.95 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 9.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 291.65 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का नुकसान का सामना करना पड़ा। गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड का 408.80

करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.68 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.17 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 2.14 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 130 करोड़ रुपये के 40 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 278.80 करोड़ रुपये के 87 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी दार्जिलिंग में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

देश में जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद एनसीएच को मिली 3000 शिकायतें

नई दिल्ली। देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 लागू होने के बाद सरकार की राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) को कम करों से संबंधित 3,000 शिकायतें मिली हैं। इन्हें आगे की कार्रवाई के लिए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को भेजा गया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमें अबतक 3,000 उपभोक्ता शिकायतें प्राप्त हुई हैं। हम उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए सीबीआईसी को भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय उन मामलों पर कड़ी निगरानी रख रहा है, जहां जीएसटी की दरों में कमी का लाभ उपभोक्ताओं को देने से बचने के लिए भ्रामक छूट प्रथाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं को धोखा दिया जा रहा है।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने आगे कहा कि मंत्रालय विभिन्न क्षेत्रों में शिकायतों की स्पष्ट जानकारी प्राप्त करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और चैटबॉट तकनीक का उपयोग कर रहा है। यह शिकायत प्रणाली ऐसे समय में आई है, जब ऐसी चिंताएं हैं कि खुदरा विक्रेता जीएसटी दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा रहे हैं, जिसके कारण सरकार अपनी निगरानी प्रणाली को मज़बूत कर रही है।

जीएसटी प्रणाली में सुधारों से बढ़ेगी बाजार में खरीद, अर्थव्यवस्था पकड़ेगी रफ्तारः पंकज चौधरी

एजेंसी

इंदौर। केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की प्रणाली में हाल में सुधारों से बाजार में खरीद बढ़ेगी, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि जीएसटी सुधारों से आम लोगों के हाथों में जब अतिरिक्त धन आएगा। इससे बाजार में निश्चित तौर पर खरीद बढ़ेगी और हमारी अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी। केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री चौधरी केंद्रीय माल एवं सेवा कर, भोपाल जोन के तत्वावधान में इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में परिचर्चा सत्र को संबोधित कर रहे थे। परिचर्चा में लघु एवं मध्यम उद्योग जगत से जुड़े संगठन, लघु उद्योग भारती के साथ उद्योग एवं व्यापार जगत के सभी प्रमुख संस्थान तथा सीए एवं कर सलाहकार संगठनों सहित लगभग 200 करदाताओं ने भाग लिया। इस परिचर्चा में गत 22 सितंबर से किए गए अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों (जीएसटी 2.0) के विषय में चर्चा तथा उद्योग एवं व्यापार जगत के द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों तथा जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कर सरलीकरण की दिशा में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को संक्षेप में रखा तथा जीएसटी 2.0 को जीएसटी बचत महोत्सव कहा। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, कि तब की सरकार को जीएसटी प्रणाली पेश करने में सफलता प्राप्त नहीं हो रही थी, क्योंकि लोगों को उस सरकार पर विश्वास नहीं था। तत्कालीन सरकार की विश्वसनीयता में कमी के कारण वह राज्य सरकारों को जीएसटी प्रणाली के लिए राजी नहीं कर पा रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में इस पूर्ववर्ती सरकार के राज के दौरान कर प्रणाली में अलग-अलग गड़बड़ियां होती थीं और उद्योग-व्यापार जगत को कई झंझटों का सामना करना पड़ता था। केन्द्रीय मंत्री चौधरी ने करों के बारे में विशिष्ट जानकारी दिए बगैर कहा कि उस वक्त उद्योग-व्यापार जगत को औसत आधार पर लगभग 15 प्रतिशत कर अदा करने पड़ते थे, लेकिन 2017 में जीएसटी प्रणाली लागू किए जाने के बाद यह कर अदायगी घटकर 11 से 11.50 प्रतिशत रह गई। जीएसटी सुधारों के असर के बारे में अगले चार-छह महीनों के बाद पता चलेगा और अभी हम कुछ भी नहीं कह सकते, लेकिन अनुमान है कि यह कर अदायगी और घटकर आठ से नौ प्रतिशत रह जाएगी। उन्होंने जीएसटी सुधारों से राज्यों का कर राजस्व घटने की आशंका के बारे में पूछे जाने पर कहा कि सरकार का काम केवल राजस्व इकट्ठा करना नहीं है। सरकार का काम आम जन को राहत देना भी है। इसे (जीएसटी सुधारों को) हम राजस्व घाटा नहीं कहेंगे। हमने इसके जरिये जनता को लाभ प्रदान किया है। उन्होंने अपने इंदौर आने का उद्देश्य यह बताया कि अब सरकार जनता के द्वार जाकर उनकी समस्याओं और सुझावों को जानेगी। उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी 2.0 में दिए गए सुझावों के साथ आगे भी सुधार किए जाएंगे। कार्यक्रम में इंदौर सांसद शंकर लालवानी, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर तथा सीमा शुल्क बोर्ड दिल्ली के सदस्य सुरजीत भुजबल तथा सीएसटी भोपाल जोन के मुख्य आयुक्त संदीप पुरी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने उद्बोधन में सांसद लालवानी ने नई जीएसटी सुधारों को आम जनता और करदाताओं के लिए अत्यंत लाभदायक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में उद्योगों में व्यापार जगत के विभिन्न संगठनों द्वारा जीएसटी 2.0 के बारे में अपने सुझावों एवं प्रतिक्रियाओं को ज्ञापन के रूप में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री को दिया गया।

जेलेंस्की का प्रस्तावः रूस से निपटने के लिए साझा एयर डिफेंस शील्ड बनाएं सहयोगी देश

एजेंसी

वारसॉ। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के हवाई खतरों से निपटने के लिए सहयोगी देशों के साथ एक संयुक्त एयर डिफेंस शील्ड बनाने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने वारसॉ सिक्योरिटी फोरम को वीडियो लिंक के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि पोलैंड सहित सभी साझेदार देशों को इस क्षेत्र में साझा सुरक्षा ढांचा तैयार करना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन हर तरह के रूसी ड्रोन और मिसाइलों का मुकाबला कर सकता है। यदि हम क्षेत्रीय स्तर पर मिलकर काम करें तो हमारे पास पर्याप्त हथियार और उत्पादन क्षमता होगी। यूक्रेन पहले ही पोलिश सैनिकों और इंजीनियरों को ड्रोन विरोधी तकनीक पर प्रशिक्षण देने की घोषणा कर चुका है। रोमानिया ने भी नए यूरोपीय संघ रक्षा फंडिंग मैकेनिज्म के तहत यूक्रेन के साथ मिलकर ड्रोन निर्माण की योजना बनाई है। रोमानियाई रक्षा मंत्री इयोनुत मोस्तेनऊ ने बताया कि यूक्रेन सीमा से लगे तुलेचा काउंटी में नए ड्रोन के अवशेष मिले हैं। जर्मन रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने सम्मेलन में कहा, यूरोप और यूक्रेन की रक्षा उद्योग को और नज़दीकी और प्रभावी ढंग से साथ काम करना होगा। यूरोपीय संघ को इस दिशा में अधिक लचीला नियामकीय ढांचा उपलब्ध कराना चाहिए।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर ब्रिटेन की कड़ी कार्रवाई, 71 नए प्रतिबंध लागू

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए 71 नए व्यक्तियों और संस्थानों पर प्रतिबंध लगा दिए। इन पर लगे प्रतिबंधों में संपत्ति फ्रीज, वित्तीय गतिविधियों पर रोक और यात्रा प्रतिबंध शामिल हैं। ब्रिटेन सरकार ने कहा कि यह कदम ईरान की परमाणु प्रसार गतिविधियों को रोकने के लिए उठाया गया है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ भी इसी तरह की कार्रवाई कर चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र ने ईरान पर हथियारों के आयात-निर्यात पर रोक सहित कई पुराने प्रतिबंधों को दोबारा लागू किया था। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यह मामला उठाते हुए आरोप लगाया कि ईरान ने 2015 के उस समझौते का उल्लंघन किया है, जिसके तहत उसे परमाणु हथियार विकसित करने से रोका गया था। हालांकि, ईरान इन आरोपों से इनकार करता आया है और उसने चेतावनी दी है कि ऐसे कदमों का सख्त जवाब दिया जाएगा। यह प्रतिबंध ईरान के वरिष्ठ परमाणु अधिकारियों के साथ-साथ वहां के बड़े वित्तीय और ऊर्जा संस्थानों पर भी लागू होंगे।

ट्रंप ने पोर्टलैंड में सैनिक तैनाती का आदेश दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड शहर में सैनिकों की तैनाती का आदेश दिए जाने के बाद से इस मसले पर विवाद गहराता जा रहा है। उन्होंने आव्रजन हिरासत केंद्रों को निशाना बनाकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए पूरी ताकत का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने शनिवार को ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में सैनिकों की तैनाती का आदेश जारी किया है। उन्होंने शहर में घरेलू आतंकियों से निपटने के लिए रक्षा मंत्री पेट हेजसेथ को सभी सैनिकों को तत्काल तैनात करने का निर्देश दिया। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में भी सैनिकों की तैनाती को लेकर अपने आदेश की जानकारी दी है। देश में बढ़ते अशांति और प्रदर्शनों के बीच दिया गया यह आदेश लॉस एंजिल्स और वाशिंगटन डीसी में सैनिकों की तैनाती के लिए पूर्व में दिए गए ट्रंप के आदेशों की ही अगली कड़ी माना जा रहा है। इस बीच ओरेगन की गवर्नर टिना कोटेक ने इस आदेश की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, ÷पोर्टलैंड या किसी अन्य अमेरिकी शहर में सैनिकों की तैनाती बिल्कुल भी नहीं होनी चाहिए। गवर्नर ने संघीय सरकार के इस कदम को राज्य की संप्रभुता का उल्लंघन बताया और चेतावनी दी कि इससे तनाव और बढ़ सकता है। इससे पहले लॉस एंजिल्स में सैनिकों की तैनाती को एक संघीय अदालत ने अवैध घोषित कर दिया था जिसने पॉसी कोमिटाटस एक्ट का हवाला दिया गया था।

पूर्व विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा के कई ठिकानों पर काठमांडू में सीआईबी की छापेमारी

काठमांडू। नेपाल की पूर्व विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा के काठमांडू स्थित कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई है। नेपाल पुलिस की केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) की टीम ने काठमांडू में उनके घर, मायके और रिश्तेदारों के घर पर छापे मारे हैं। बीती रात से लगातार जांच चलने के कारण सीआईबी के अधिकारी इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दे रहे हैं। सीआईबी के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक डॉ. मनोज केसी ने बताया कि डॉ. आरजू राणा के घर पर करोड़ों रुपये के नोट मिलने के संदर्भ में जांच को आगे बढ़ाने के लिए छापेमारी की गई है। उन्होंने स्वीकार किया कि रविवार की मध्य रात से डॉ. आरजू राणा के सानेपा स्थित माता पिता के घर पर, जावलाखेल स्थित आरजू के भाई भूषण राणा के घर पर, बुढानिलकण्ठ स्थित उनके बेटे जयवीर के घर पर, डॉ. राणा के समधी यानी जयवीर के ससुराल में छापेमारी की जा रही है। डॉ. आरजू पर बड़ी राजनीतिक नियुक्तियों से लेकर सरकार की ट्रांसफर, पोस्टिंग में बड़ी रकम का लेनदेन करने का आरोप है। सीआईबी का दावा है कि इन सभी बड़े लेनदेन में वह अपने परिवार वालों का इस्तेमाल किया करती थी। सरकार ने पहले ही डॉ. आरजू राणा और उनके पति डॉ. शेरबहादुर देउवा का पासपोर्ट रद्द कर दिया है।

गाजा में युद्ध खत्म करने के लिए हमास को मिला ट्रंप का प्रस्ताव, अरब देशों ने किया स्वागत

एजेंसी

वाशिंगटन। एक बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस योजना के बारे में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का समर्थन प्राप्त किया । मिस्र के अल कहेरा न्यूज टीवी ने मिस्र के सुरक्षा सूत्रों का हवाला देते हुए हमास को अमेरिकी शांति प्रस्ताव सौंपे जाने की पुष्टि की। रिपोर्ट में कहा गया कि मिस्र और अन्य अरब देशों ने दोहा में हमास के समक्ष इसे प्रस्तुत करने से पहले इस योजना में कई संशोधन किए।इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इजरायली प्रधानमंत्री ने गाजा में व्यापक शांति के लिए पेश प्रस्ताव पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यदि हमास इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लेता है तो उसे 72 घंटों के भीतर शेष सभी बंधकों को रिहा करना होगा और उन्होंने समूह से इन शर्तों को स्वीकार करने का आह्वान किया। दूसरी ओर न्यूज एजेंसी

सिन्हुआ मुताबिक फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने अमेरिका के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और एक व्यापक समझौते के माध्यम से गाजा युद्ध को समाप्त करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, क्षेत्रीय देशों और भागीदारों के साथ काम करने की अपनी तत्परता व्यक्त की है प्राधिकरण ने कहा कि इस योजना से गाजा को पर्याप्त मानवीय सहायता सुनिश्चित होगी, बंधकों और कैदियों की रिहाई सुनिश्चित होगी और फिलिस्तीनी लोगों की सुरक्षा के लिए सिस्टम बनेगा। सऊदी अरब, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्किए, कतर और मिस्र के विदेश मंत्रियों ने सोमवार देर रात एक संयुक्त बयान जारी कर अमेरिकी प्रस्ताव का स्वागत किया। मंत्रियों ने लड़ाई समाप्त करने, गाजा के पुनर्निर्माण, फिलिस्तीनी विस्थापन को रोकने और पश्चिमी तट पर कब्जा करने से रोकने के प्रस्तावों की सराहना की।

उन्होंने गाजा को अप्रतिबंधित मानवीय सहायता, बंधकों की रिहाई, सभी पक्षों की सुरक्षा, इजरायल की पूर्ण वापसी, गाजा का पुनर्निर्माण तथा गाजा और पश्चिमी तट को अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुरूप एकीकृत करते हुए दो-राज्य समाधान की दिशा में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

नेतन्याहू ने कतर के पीएम से जताया खेद, व्हाइट हाउस के अनुसार डोहा स्ट्राइक पर व्यक्त किया पछतावा

एजेंसी

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस ने बताया कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कतर के नेता के साथ एक तीन-तरफा कॉल में डोहा में हुए इजराइली हमले पर पछतावा व्यक्त किया। इस कॉल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी शामिल थे। व्हाइट हाउस के अनुसार, नेतन्याहू ने कतर की संप्रभुता का उल्लंघन करने पर भी खेद जताया और यह आश्वासन दिया कि भविष्य में इस तरह का हमला दोबारा नहीं होगा। बयान में कहा गया कि नेताओं ने गाजा युद्ध को समाप्त करने के प्रस्ताव, मध्य पूर्व में अधिक सुरक्षित वातावरण के

अवसर, और दोनों देशों के बीच बेहतर समझ पर चर्चा की रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रम्प ने नेतन्याहू से गाजा के लिए शांति प्रस्ताव का समर्थन करने का आग्रह किया, जिसका उद्देश्य लगभग दो साल से जारी युद्ध को समाप्त करना और इजराइल की अंतरराष्ट्रीय अलगाव की स्थिति को कम करना है।

पीओके में विरोध प्रदर्शन में 2 लोगों की मौत

एजेंसी

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सोमवार को सरकार के खिलाफ हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 लोग घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ हुए इन प्रदर्शनों में मुजफ्फराबाद में सरकारी सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों में दो लोगों की मौत होने और 22 अन्य लोगों के घायल होने के समाचार हैं। यह विरोध प्रदर्शन नागरिक समाज गठबंधन, अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) द्वारा आहूत किया गया था। प्रदर्शन रविवार को मीरपुर, कोटली, रावलकोट, नीलम घाटी, केरन आदि जगहों पर शुरू हुए, जिसके तहत आमजन को उनके अधिकार दिलाने का स्पष्ट संदेश देने के लिए लॉकडाउन की घोषणा की गई थी। इस बीच पाकिस्तान सरकार ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए क्षेत्र में सुरक्षाबलों के सशस्त्र काफिलों के अलावा पंजाब से हजारों सैनिकों की तैनाती की। इस्लामाबाद से 1,000 अतिरिक्त पुलिस अधिकारी भी इस दौरान क्षेत्र में मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक अधिकारियों ने आधी रात से इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दीं। पाकिस्तानी सेना और पाकिस्तानी

खुफिया एजेंसी (आईएसआई) से जुड़े संगठन मुस्लिम कॉन्फ्रेंस के हथियारबंद लोगों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। इस बीच एएसी ने पाकिस्तानी सरकार के समक्ष 38-सूत्रीय मांगपत्र का प्रस्ताव रखा है। संगठन पीओके में भ्रष्टाचार, उपेक्षा और बुनियादी अधिकारों से वंचित लोगों को एकजुट कर सरकार के खिलाफ दबाव बनाने के लिए प्रयासरत है। संगठन की मांगों में पाकिस्तान में रहने वाले कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आवंटित पीओके विधानसभा की 12 सीटों को हटाना, सब्सिडी वाला आटा और उचित बिजली मूल्य निर्धारण और इस्लामाबाद की शहबाज सरकार द्वारा लंबे समय से विलंबित सुधारों के वादों को पूरा करना शामिल है। एएसी नेता शौकत नवाज मीर ने कहा कि उनका अभियान किसी संस्था के खिलाफ नहीं बल्कि 70 से अधिक वर्षों से वंचित लोगों को मौलिक अधिकार दिलाने के लिए है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि या तो वे उनकी मांगों को पूरा करें अन्यथा उन्हें जन आक्रोश का सामना करना होगा। ये प्रदर्शन हाल ही में एएसी, पाकिस्तानी सरकार के मंत्रियों और पीओके प्रशासन के बीच वार्ता के विफल होने के बाद शुरू हुए हैं।

पाकिस्तानी सेना का बलोचिस्तान गणराज्य पर जमीनी और हवाई हमला

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तानी सेना ने बलोचिस्तान गणराज्य में खुज़दार जिले के जेहरी, गज़ान, तरासानी, शाहमुज़ और सोहांडा में ज़मीनी और हवाई हमले किए। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक सोमवार को आरंभ इस सैन्य अभियान में पाकिस्तानी सेना ने ड्रोन, टैंक, बख्तरबंद वाहनों के इस्तेमाल के साथ एसएसजी कमांडो की तैनाती की हैं। बलोचिस्तान गणराज्य के सुरक्षाबलों ने तेल एवं खनिज समृद्ध और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को पहले ही अपने नियंत्रण में कर लिया है और वे पाकिस्तानी सेना का कड़ा मुकाबला कर रहे हैं। इस कारण कई क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना पीछे हटने के लिए मजबूर हो रही है। लगभग 95 प्रतिशत क्षेत्र अब बलूच स्वतंत्रता सेनानियों के नियंत्रण में हैं। बलूच लड़ाके अपनी मातृभूमि से हर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को बाहर निकालने के लिए कटिबद्ध हैं और इसके लिए एक व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि बलोच लड़ाके युद्ध में अनुभवी हैं और उन्हें

बलोच लोगों का पूरा समर्थन प्राप्त है। इसके विपरीत पाकिस्तानी सैनिकों को बलोच धरती पर विदेशी कब्ज़ाधारी के तौर पर देखा जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पाकिस्तान ने क्षेत्रों में टैंक, बख्तरबंद काफिले, एसएसजी कमांडो और नियमित सेना की दो पूर्ण पैदल सेना इकाइयां भेजी हैं। सूत्रों के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच विभिन्न हिस्सों में भीषण झड़पें जारी हैं। कुछ जगहों से पाकिस्तानी सेना के पीछे हटने की खबरें हैं।

बांग्लादेश में हत्या और दुष्कर्म के विरोध में फूटा लोगों का गुस्सा, सेना का दावा-'साम्प्रदायिक दंगा साजिश का नतीजा'

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की सेना ने देररात दावा किया कि देश के खगराछारी के गुइमारा उपजिला में स्थिति नियंत्रण में हैं। हालांकि कुछ क्षेत्रों में अभी भी तनाव है। अशांति के मद्देनजर प्रभावित क्षेत्र में अर्ध बलों की टुकड़ी तैनात की गई हैं। सेना ने हालिया घटनाओं पर विस्तृत आधिकारिक बयान जारी किया। इसमें दावा किया गया है कि 'मजहबी दंगा साजिश का नतीजा' है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, सेना ने कहा कि खगराछारी के गुइमारा उपजिला में शनिवार और रविवार को हुई हालिया हिंसा सोची-समझी साजिश का नतीजा है। बयान के अनुसार, 19 सितंबर को मोटरसाइकिल सवार मामून की हत्या के बाद तनाव बढ़ने लगा। इसके बाद, यूनाइटेड पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूपीडीएफ) और उसके सहयोगी संगठनों ने कथित तौर पर दिघिनाला और रंगमती में सांप्रदायिक अशांति

भड़काने की कोशिश की। परिणामस्वरूप सुरक्षा बलों के साथ झड़पें हुईं। इन झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई और कई स्थानीय लोग घायल हो गए। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि घटना के विरोध में यूपीडीएफ और उसके सहयोगियों ने चटगांव पहाड़ी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर रैलियां आयोजित कीं। 23 सितंबर की रात खगराछारी के सिंगिनाला इलाके में एक स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म के बाद यूपीडीएफ से जुड़े शायन शील को 24 सितंबर को सेना की सहायता से गिरफ्तार किया गया। इस पर यूपीडीएफ से संबद्ध पीसीपी नेता उखानु मर्मा ने जुम्मा छात्र जनता के बैनर तले खगराछारी में मानव शृंखला का आह्वान किया। 25 सितंबर को जिले में आधे दिन की हड़ताल हुई। बांग्लाभाषी समुदायों को निशाना बनाते हुए कई भड़काऊ और उत्तेजक बयान सोशल मीडिया में जारी किए गए। सेना के अनुसार, इससे 26 सितंबर को खगराछारी में तनाव बढ़ गया। नाकेबंदी के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने गश्त कर रहे सैन्यकर्मियों पर कथित तौर पर पत्थर और ईंटें फेंकी, जिससे तीन सैनिक घायल हो गए। उकसावे के बावजूद सेना ने बल प्रयोग से परहेज किया। शनिवार को यूपीडीएफ और उससे जुड़े समूहों ने कथित तौर पर तोड़फोड़ करके फिर से अशांति फैलाने की कोशिश की।

सर्बिया में गिरफ्तार 11 लोग, फ्रांस में मस्जिदों के बाहर सुअर के सिर रखने और यहूदी स्थलों पर हमलों का आरोप

एजेंसी

बेलग्रेड। सर्बियाई पुलिस ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने इस महीने पेरिस और आसपास मस्जिदों के बाहर सुअर के सिर रखे और यहूदी स्थलों को निशाना बनाया। सर्बिया के गृह मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

गिरफ्तारियों पर यह भी संदेह है कि उन्होंने पेरिस में होलोकॉस्ट म्यूजियम, कई सिनागॉग और एक यहूदी रेस्तरां पर हरी पेंट फेंकी और बर्लिन के ब्रैंडेनबर्ग गेट के सामने कंक्रीट का कंकाल रखा।

सभी आरोपित सर्बियाई नागरिक हैं और उन्हें सर्बिया में प्रशिक्षित किया गया। मंत्रालय के अनुसार, एक फरार संदिग्ध, जिसे केवल रूत. के नाम से पहचाना गया है, ने इन लोगों को विदेशी खुफिया एजेंसी के आदेश पर प्रशिक्षण दिया। बयान में कहा गया, इनका उद्देश्य अलग-अलग समूहों के लोगों के आधार पर नफरत, भेदभाव और हिंसा को बढ़ावा देना था।

फ्रांस में पुलिस जांच में पता चला कि मस्जिदों के बाहर सुअर के सिर विदेशी नागरिकों ने रखे थे, जो तुरंत देश छोड़कर चले गए। फ्रांस ने अतीत में रूस पर विभाजन फैलाने का आरोप लगाया है। मई में भी तीन सर्बियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था, जब सिनागॉग और होलोकॉस्ट स्मारक पर हरी पेंट फेंकी गई थी। सर्बिया, जो यूरोपीय संघ में शामिल होने का लक्ष्य रखता है, रूस के साथ घनिष्ठ संबंध रखता है और यूरोप का एकमात्र ऐसा देश है जिसने मॉस्को पर प्रतिबंध नहीं लगाए हैं।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर रोक, जस्टिस जहांगीरी कर सकेंगे न्यायिक कार्य

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय से आज इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी को तात्कालिक राहत मिल गई। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी। उच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति जहांगीरी को न्यायिक कार्य से विलग कर दिया था। उच्चतम न्यायालय ने पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल कार्यालय सहित संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। द न्यूज अखबार की रिपोर्ट के अनुसार उच्चतम न्यायलय के न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जहांगीरी की याचिका पर यह आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय मंगलवार को भी इस मामले की सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति जहांगीरी ने उच्च न्यायालय के 16 सितंबर के आदेश को चुनौती दी थी। संवैधानिक पीठ में न्यायमूर्ति जमाल खान मंदोखैल, न्यायमूर्ति मोहम्मद अली मज़हर, न्यायमूर्ति सैयद हसन अजहर रिज़वी और न्यायमूर्ति शाहिद बिलाल हसन भी शामिल है। संवैधानिक पीठ का यह आदेश मुख्य न्यायाधीश सरदार मोहम्मद सरफराज डोगर की अध्यक्षता वाली और न्यायमूर्ति मोहम्मद आजम खान की सदस्यता वाली इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ के न्यायमूर्ति जहांगीरी को उनके खिलाफ लंबित एक याचिका पर सर्वोच्च न्यायिक परिषद के फैसले तक न्यायिक कर्तव्यों के निर्वहन से रोक दिए जाने के बाद सामने आया है। यह याचिका वकील मियां दाऊद ने दायर की थी। इस फैसले के बाद न्यायमूर्ति जहांगीरी सहित इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के पांच न्यायाधीशों ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। अन्य चार न्यायाधीश न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कियानी, न्यायमूर्ति बाबर सत्तार, न्यायमूर्ति समन रिफत और न्यायमूर्ति एजाज इशाक खान हैं। दरअसल, यह मामला इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी कानून की डिग्री से जुड़ा हुआ है। कराची विश्वविद्यालय ने 32 वर्ष बाद उनकी कानून की डिग्री रद्द कर दी है। न्यायाधीश जहांगीरी ने सिंध उच्च न्यायालय (एसएचसी) में कराची विश्वविद्यालय के फैसले को चुनौती देते हुए कहा कि न्यायिक स्वायत्तता की पक्षधरता के लिए उन्हें कार्यपालिका के शक्तिशाली सदस्यों से प्रतिशोध का सामना करना पड़ रहा है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार कराची विश्वविद्यालय के सिंडिकेट ने विश्वविद्यालय की अनुचित साधन (यूएफएम) समिति की सिफारिश पर 31 अगस्त, 2024 को न्यायमूर्ति जहांगीरी की कानून की डिग्री रद्द कर दी। हालांकि, पांच सितंबर, 2024 को उच्च न्यायालय ने विश्वविद्यालय के फैसले को स्थगित कर दिया।

वियतनाम में बुआलोई तूफान का कहर, 8 की मौत, 17 लापता

एजेंसी

हनोई। वियतनाम में तूफान बुआलोई के कारण मची तबाही में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 17 अन्य लापता है। मीडिया रोपोर्ट के मुताबिक तूफान के दौरान तेज हवाओं और भारी बारिश ने घरों को नुकसान पहुंचाया, बिजली आपूर्ति बाधित की और सभी प्रमुख मार्गों को जलमग्न कर दिया। बाद में यह तूफान कमजोर होकर लाओस की ओर बढ़ गया वियतनाम न्यूज एजेंसी ने आपदा प्रबंधन एजेंसी के हवाले से बताया कि निन्ह बिन्ह प्रांत में तेज हवाओं के कारण हुई दुर्घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हुए हैं। ह्यू शहर में बाढ़ के पानी में फंसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि थान्ह होआ प्रांत में पेड़ के गिरने से उसके नीचे आकर एक अन्य व्यक्ति की मृत्यु की खबर है। तूफान के देश के समुद्री तट पर पहुंचने

से पहले सरकार ने 28,500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया था। मध्य प्रांतों में चार हवाई अड्डों को बंद कर दिया गया जिसके कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द या विलंबित होने की खबरे हैं। एजेंसी के मुताबिक देश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश के कारण अधिकारियों ने बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। मौसम एजेंसी के अनुसार रविवार रात से मंगलवार तक देश के कई हिस्सों में भारी वर्षा की आशंका जताई गई है। इस बीच आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि तूफान से किसी प्रमुख औद्योगिक इकाई को नुकसान नहीं पहुंचा है। हालांकि शैक्षणिक संस्थान बंद हैं।

अमेरिका यूक्रेन के लिए टामहॉक मिसाइलों पर कर रहा विचारः जेडी वेंस

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को कहा कि उनका देश यूक्रेन की उस मांग पर विचार कर रहा है जिसमें उसने अमेरिका से रूस के खिलाफ लंबी दूरी की टामहॉक मिसाइले प्राप्त करने की इच्छा जताई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने अमेरिका से टामहॉक मिसाइलें यूरोपीय देशों को बेचने का अनुरोध किया है ताकि वे उन्हें यूक्रेन भेज सकें। इस बीच वेंस ने फॉक्स न्यूज संडे पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सौदे को अनुमति देने के बारे में अंतिम निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा हम निश्चित रूप से यूरोपीय देशों के कई अनुरोधों पर विचार कर रहे हैं। इन मिसाइलों की रेंज 2,500 किलोमीटर है जो यूक्रेन को मॉस्को को निशाना बनाने की क्षमता प्रदान करेगी।

यूक्रेन मामलों के अमेरिका के विशेष दूत कीथ केलॉग ने कहा है कि ट्रंप ने संकेत दिया है कि अब यूक्रेन को रूस पर लंबी दूरी के हमले करने की अनुमति मिलनी चाहिए। वेंस ने यह भी कहा कि रूस का यूक्रेन पर आक्रमण रुक गया है और हाल ही में उसे कोई महत्वपूर्ण क्षेत्रीय लाभ नहीं हुआ है। उन्होंने कहा ÷हम शुरू से ही सक्रिय रूप से शांति की तलाश कर रहे हैं। अब रूसियों को आंखे खोलनी होंगी और वास्तविकता को स्वीकार करना होगा।

ईरान को सऊदी-पाकिस्तान रक्षा समझौते में शामिल होना चाहिए : खामनेई के सलाहकार

एजेंसी

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई के वरिष्ठ सलाहकार मेजर जनरल याह्या रहीम सफवी ने सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए रक्षा समझौते को सकारात्मक कदम बताते हुए तेहरान से इसमें शामिल होने का अनुरोध किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेजर जनरल सफवी ने एक साथ साक्षात्कार में कहा कि यह समझौता क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है और ईरान को इसमें भाग लेने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷हम इस संधि को सकारात्मक मानते हैं। पाकिस्तान ने घोषणा की है कि अन्य देश इसमें शामिल हो सकते हैं और मैं सिफारिश करता हूं कि ईरान भी इसमें भाग ले। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान, सऊदी अरब, पाकिस्तान और इराक एक सामूहिक रक्षा समझौते की ओर बढ़ सकते हैं। मेजर जनरल सफवी ने कहा, हालांकि सऊदी अरब और पाकिस्तान अमेरिकी मंजूरी के बिना

ऐसे किसी समझौते को अंतिम रूप नहीं देंगे लेकिन हमें क्षेत्रीय शक्ति के रूप में अपना इरादा जाहिर करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि यह बयान रियाद में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच हस्ताक्षरित 'रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते' के एक सप्ताह बाद आया है। इस समझौते के तहत दोनों देशों के खिलाफ किसी भी आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने संकेत दिया कि समझौता सभी सैन्य साधनों को कवर करता है। हालांकि इसमें परमाणु हमले के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। इस बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी इस समझौते का स्वागत करते हुए इसे पश्चिम एशिया के मुस्लिम देशों के बीच राजनीतिक, सुरक्षा और रक्षा सहयोग की व्यापक क्षेत्रीय सुरक्षा प्रणाली की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा, ईरान इस रक्षात्मक समझौते का स्वागत करता है जो भाईचारे वाले मुस्लिम देशों सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच है। उधर सफवी ने देश के खिलाफ इजरायली खतरों के बढ़ने का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान अपनी रक्षात्मक और आक्रामक क्षमताओं को मजबूत करने के साथ ही सामूहिक सुरक्षा ढांचे के विकल्पों के लिए खुला रवैया रखता है। जून में ईरान-इजरायल संघर्ष के बाद ईरान ने अपनी वायु रक्षा और खुफिया क्षमताओं में कमजोरियों को स्वीकार किया लेकिन साथ ही यह दावा किया कि ईरान ने इजरायली ठिकानों को नष्ट कर जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और जनता के सकारात्मक रूख ने ईरान की सफलता में योगदान दिया।

हींग की खेती

तेज़ गंध और छोटे कंकड़ की तरह दिखने वाले हींग की बहुत थोड़ी सी मात्रा भी खाने का स्वाद बदल देती है. भारत में रसोई घरों में रहने वाली यह एक ज़रूरी मसाला है.

हींग का इस्तेमाल पूरे भारत में बड़े पैमाने पर होता है. हालांकि कई लोग हींग की गंध को पसंद नहीं करते हैं लेकिन यह पाचक की तरह भी इस्तेमाल किया जाता है.

यह अमूमन सूरज की रौशनी से दूर एयर-टाइट बॉक्स में रखा जाता है. अचानक हींग की चर्चा इसलिए शुरू हो गई क्योंकि हिमाचल प्रदेश में हींग की खेती शुरू हुई है. कौंसिल फॉर साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सीएसआईआर) का कहना है कि यह पहली बार है जब भारत में हींग की खेती हो रही है.

सीएसआईआर ने पालमपुर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ़ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नॉलॉजी (आईएचबीटी) ने सोमवार से खेती शुरू होने की घोषणा की है.

हिमाचल के लाहौल स्पीति क्षेत्र में हींग की खेती शुरू की गई है. सीएसआईआर के डायरेक्टर शेखर मांदे का दावा है कि भारत में पहली बार हींग की खेती की जा रही है.

क्या वाकई में भारत में हींग की खेती करना बहुत मुश्किल काम है? अगर भारत में हींग की खेती नहीं होती तो ये फिर कहाँ से आता है और इतने बड़े पैमाने पर भारत में क्यों इस्तेमाल किया जाता है.

भारत हींग नहीं उपजाता लेकिन भारत में इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल ज़रूर होता है. एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में पैदा होने वाले हींग का 40 फ़ीसदी भारत में इस्तेमाल होता है.

भारत में इस्तेमाल होने वाला हींग ईरान, अफ़ग़ानिस्तान और उज़्बेकिस्तान जैसे देशों से आता है. कुछ व्यापारी इसे कज़ाख़स्तान से भी मंगवाते हैं. अफ़ग़ानिस्तान से आने वाले हींग की मांग सबसे ज़्यादा है.

सीएसआईआर के मुताबिक भारत हर साल 1,200 टन हींग इन देशों से 600 करोड़ रुपये खर्च कर आयात करता है. इसलिए अगर भारत में हींग उपजाने में कामयाबी मिलती है तो जितनी मात्रा में हींग आयात होता है, उसमें कमी आएगी और इसकी क़ीमत भी कम होगी. हालांकि हींग का उत्पादन इतना आसान नहीं. हींग का पौधा गाजर और मूली के पौधों की श्रेणी में आता है. ठंडे और शुष्क वातावरण में इसका उत्पादन सबसे अच्छा होता है. पूरी दुनिया में हींग की क़रीब 130 किस्में हैं. इनमें से कुछ किस्में पंजाब, कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में उपजाई जाती है लेकिन इसकी मुख्य किस्म फेरुला एसाफोइटीडा भारत में नहीं पाई जाती है. सीएसआईआर जिस बीज की मदद से हींग की खेती कर रहा है वो ईरान से मंगवाया गया है. दिल्ली स्थित नेशनल ब्यूरो ऑफ़ प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेज (आईसीएआर-एनबीपीजीआर) ने ईरान से हींग की नौ किस्में मंगवाई है. आईसीएआर-एनबीपीजीआर ने यह साफ़ किया है कि तीस साल में पहली बार हींग के इस बीज को भारत लाया गया है.

लेकिन सिर्फ़ पौधे उगाने का कतई मतलब नहीं है कि ये हींग पैदा करेगा. हालांकि बीज बोने के बाद चार से पांच साल लगेंगे वास्तविक उपज पाने में. एक पौधे से क़रीब आधा किलो हींग निकलता है और इसमें क़रीब चार साल लगते हैं. इसलिए हींग की क़ीमत इतनी ज़्यादा होती है.

हींग की क़ीमत इस पर भी निर्भर करती है कि इसे कैसे पैदा किया जा रहा है. भारत में शुद्ध हींग की क़ीमत अभी क़रीब 35 से 40 हज़ार रुपये है. इसलिए सीएसआईआर के वैज्ञानिकों को लगता है कि अगर हींग की खेती कामयाब हुई तो इससे किसानों को जोरदार फ़ायदा होगा.

हींग फेरुला एसाफोइटीडा के जड़ से निकाले गए रस से तैयार किया जाता है लेकिन यह इतना आसान नहीं. एक बार जब जड़ों से रस निकाल लिया जाता है तब हींग बनने की प्रक्रिया शुरू होती है.

स्पाइसेस बोर्ड की वेबसाइट के मुताबिक दो तरह के हींग होते हैं- काबुली सफ़ेद और हींग लाल. सफ़ेद हींग पानी में घुल जाता है जबकि लाल या काला हींग तेल में घुलता है.

कच्चे हींग की बहुत तीखी गंध होती है इसलिए उसे खाने लायक नहीं माना जाता. खाने लायक गोंद और स्टार्च को मिलाकर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में तैयार किया जाता है. व्यापारियों का कहना है कि हींग की क़ीमत इस बात पर निर्भर करती है कि उसमें क्या मिलाया गया है. हींग पाउडर भी मिलता है. दक्षिण भारत में हींग को पकाया जाता है और इन पके हुए हींग के पाउडर का इस्तेमाल मसालों में किया जाता है. कुछ लोगों का कहना है कि हींग मुग़ल काल के दौरान भारत आया था क्योंकि ये ईरान और अफ़ग़ानिस्तान में होता है. लेकिन दस्तावेजों से यह पता चलता है कि हींग मुग़लों के आने से पहले से ही भारत में इस्तेमाल होता रहा है. संस्कृत में इसे हींगू के नाम से जाना जाता है. इंडियन स्टडी सेंटर के मैनेजिंग ट्रस्टी मुग्धा कार्निक बताती हैं, इस बात की संभावना है कि कुछ जनजातियाँ ईरान से इसे भारत लेकर आई हो. इसे लेकर शोध चल रहा है. हींग इन जनजातियों के खान-पान की आदत से भारत में आई हो ऐसा हो सकता है. वो कहती हैं, शुरू में हींग ईरान और अफ़ग़ानिस्तान से आने वाले व्यापारियों से भारत के लोगों ने मंगवाया होगा. और इसी तरह से यह दक्षिण भारत में भी इस्तेमाल में आया होगा.

मुग्धा कार्निक बताती हैं कि आयुर्वेद में हींग को लेकर कई उल्लेख मिलते हैं. अष्टांगहृदय में वाग्भट्ट लिखते हैं, हिंगु वातकफानाह शूलघ्नं पित्त कोपनम्। कटुपाकरसं रुच्यं दीपनं पाचनं लघु। इसका मतलब यह हुआ कि हींग शरीर में वात और कफ को ठीक करता है लेकिन यह शरीर में पित्त के स्तर को बढ़ाता है. यह गर्म होता है और भूख को बढ़ाता है. यह स्वाद बढ़ाने वाला है. अगर किसी को स्वाद नहीं मिल रहा है तो उसे पानी में मिलाकर हींग दें.

खारगार के वाईएमटी आयुर्वेद कॉलेज में डॉक्टर महेश कार्वे एसोसिएट प्रोफेसर हैं. वे कहते हैं, आयुर्वेद में सबसे पुरानी किताब चरक संहिता है. इसमें भी हींग का ज़िक्र किया गया है इसलिए निश्चित तौर पर हींग का इस्तेमाल यहाँ कई ईसा पूर्व हो रहा था.

चने की उन्नत खेती

दलहनी फसलों में चना एक महत्वपूर्ण फसल है। भारत में उगाई जाने वाली दलहनी फसलों की कुल पैदावार का लगभग आधा हिस्सा चने से प्राप्त होता है। चने का मुख्य उपयोग दाल-बेसन व हरे चारे का उपयोग सब्जी के रूप में व मिठाईयां बनाने में प्रयुक्त होता है। चने के दानों में 21 प्रतिशत प्रोटीन, 62 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, रेशा, वसा, कैल्शियम, लोहा तथा हरे चने में प्रचुर मात्रा में विटामिन 'सी' पाया जाता है। चना दुधारू पशुओं तथा विशेषकर घोड़ों को खिलाने के काम आता है। इस कारण इसकी दाल को घोड़ा-दाल भी कहते हैं। इसका भूसा नमकीन होने के कारण जानवरों के लिये बहुत ही स्वादिष्ट चारा होता है। चने की पत्तियों में मेलिक व ऑक्जेलिक अम्ल होने के कारण उनमें हल्की सी खटास होती है, जो पेट की बीमारियों तथा रक्त शुद्धिकरण में सहायक होती है। भारत में कुल उत्पादन का लगभग 90 प्रतिशत चना उतरप्रदेश, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान व महाराष्ट्र आदि राज्यों में पैदा होता है।

▶▶ मृदा का चुनाव एवं तैयारी चने की खेती सभी प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है, परन्तु अच्छे जल निकास वाली हल्की दोमट मृदा इसके लिये उपयुक्त रहती है। मध्यम भारी गहरी अच्छे जल निकास वाली मृदा जिसमें लवणीयता तथा क्षारीयता नहीं हो, चने की खेती के लिये उपयुक्त है। मृदा पीएच मान 6.6-7.2 चने की खेती के लिये उपयुक्त होती है व अम्लीय एवं ऊसर मृदाएं चने की खेती के लिए अनुपयुक्त होती है।

अधिकतम पैदावार प्राप्त करने के लिये असिंचित व सिंचित क्षेत्र में चने की बुवाई करने का उचित समय क्रमशः अक्टूबर का प्रथम समय व द्वितीय पखवाड़ा है। जिन खेतों में उकटा का प्रकोप अधिक होता है वहां गहरी व देरी से बुवाई करना लाभदायक रहता है।

देशी चने की बुवाई के लिये

70-80 किग्रा व बड़े बीज वाली काबुली किस्मों के लिये 80-90 किग्रा और देरी से बुवाई हेतु 90-100 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिये।

अधिकतम पैदावार के लिये चने की बुवाई हमेशा कतार में करनी चाहिये। देशी चने में कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा काबुली में 30-45 सेमी रखना चाहिये। सिंचित क्षेत्र में 5-7 सेमी व बारानी क्षेत्रों में सरंक्षित नमी को देखते हुए 7-10 सेमी गहराई तक बुवाई की जा सकती है। फसल के उगने की वृद्धि दर बीज के स्वास्थ्य, बीज की मृदा में गहराई, मृदा तापमान, भूमि की सतह की कठोरता एवं मृदा नमी पर निर्भर करती है। बुवाई ऐसी करनी चाहिये कि कम समय लग और रोगों से बचाया जा सके। बुवाई की गहराई को मृदा किस्म व नमी के अनुसार निश्चित कर सकते है। उथली एवं जल्दी बुवाई करने से उकठा रोग लगने की सम्भावना अधिक रहती है। जड़ गलन व उखटा रोग की रोकथाम के लिये 2.5 ग्राम थाईरम या 2 ग्राम मैन्कोजेब या 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। जिन क्षेत्रों में दीमक का प्रकोप अधिक होता है। वहां 100 किलो बीज को 600 मिली क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी से बीज को उपचारित करें। बीजों को सदैव राइजोबियम कल्चर से उपचारित करने के बाद ही बोना चाहिये इसके लिये एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में चने की बुवाई करने के लिये बीज में तीन पैकेट (600 ग्राम) राइजोबियम कल्चर से बीज उपचारित करना चाहिये। इन कल्चर मिलें बीजों को सुखाने के बाद बुवाई करें।

चने की अच्छी पैदावार के लिये तीन वर्ष में कम से कम एक बार 8-10 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय अच्छी तरह बिखेर कर मिट्टी में मिलायें। चना एक दलहनी फसल होने के कारण अपनी जड़ों में सहजीवी सूक्ष्म बैक्टीरिया की सहायता से वायुमण्डल में उपस्थित नत्रजन को जड़ों में संग्रहित कर पौधों को आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराते हैं। जिसमें भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ती है। चने की फसल के लिये अधिक नत्रजन की आवश्यकता नहीं होती है। लेकिन बैक्टीरिया द्वारा वायुमण्डलीय नत्रजन का स्थिरीकरण बुवाई के अवस्था में पौधे की बढ़वार के लिये नत्रजन की आवश्यकता होती है। इसलिये 15-20 किग्रा नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से देना बहुत ही लाभकारी होता है। सामान्तया अच्छी पैदावार के लिये 40 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से देना चाहिये। उर्वरकों की पूरी मात्रा बुवाई के समय बीज के नीचे कूड़ों में डालना चाहिये। नाइट्रोजन व फॉस्फोरस की पूर्ति डाई अमोनियम फॉस्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करके की जा सकती है। दलहनी फसलों में गंधक देने से उपज के साथ-साथ गुणवता में सुधार होता है। गंधक की पूर्ति सिंगल सुपर फॉस्फेट के प्रयोग के द्वारा की जाती है। चने की फसल में 300 किग्रा प्रति हेक्टेयर जिप्सम का प्रयोग व जस्ते, तांबे एवं लोहे की कमी को दूर करने के लिये क्रमशः 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट 2.4 किग्रा कॉपर सल्फेट तथा 10 किग्रा फेरस सल्फेट प्रति हेक्टेयर का प्रयोग भूमि में बुवाई के समय करना लाभदायक है।

बारानी क्षेत्रों में 2 प्रति (20 ग्राम/ली. पानी) यूरिया के घोल का छिड़काव चना में फूल चमकने की अवस्था (लगभग 2 प्रति फूल आने) पर करने से उपज में वृद्धि होती है। यदि किसी कारण इस अवस्था पर छिड़काव नहीं कर सकें तो कम से कम फलियां बनाते समय अवश्य करें। फूल आने वाली अवस्था पर यूरिया का छिड़काव कभी भी नहीं करें। साधारणतया चने की खेती अधिकतर बारानी क्षेत्रों में की जाती है परन्तु जहां सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो वहां मिट्टी व वर्षा को ध्यान में रखते हुए पहली सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद एवं दूसरी सिंचाई फलियां बनते समय (60 दिन पर) करनी चाहिये । ध्यान रखे सिंचाई सदैव हल्की ही करें क्योंकि भारी सिंचाई से फसल पीली पड़ जाती है। ज्यादा सिंचाई करने से फसल की वानस्पतिक वृद्धि अधिक हो जाती है। पैदावार कम हो जाती है। यदि एक ही सिंचाई उपलब्ध हो तो 60-65 दिन पर ही सिंचाई करें। यदि खेत में जल्दी उखटा रोग लग जाये तो क्यारी बनाकर बुवाई के 20-25 दिन बाद हल्की सिंचाई करें।

पुष्प-प्रेमियों के बीच महत्वपूर्ण स्थान रखता है-डहलिया

मौसमी फूलों में डहलिया अपने अपूर्व सौन्दर्य एवं रूप-रंग के कारण उद्यान में बरबस अपनी ओर लोगों का ध्यान खींच लेता है। अपनी अलग आकर्षक अंदाज के कारण डहलिया पुष्प-प्रेमियों के बीच महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कोई भी बाग़-बगीचा डहलिया के बिना पूर्ण नहीं कहला सकता। अत प्रत्येक पुष्प वाटिका को सुंदर व आकर्षक बनाने के लिए डहलिया को लगाना जरूरी समझा जाता है।

डहलिया फूल की उत्पत्ति मैक्सिको में हुई थी। स्वीडेन के वनस्पतिशास्त्री एंड्रिस गुस्तव डहल के नाम पर इसका नाम डहलिया रखा गया। डहलिया का वैज्ञानिक नाम डहलिया बेरीबेलिस है और यह कम्पोजिटी कुल का पौधा है। भारत में हम इसके फूलों को सालों भर ले सकते हैं। भारत में भी विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाले फूल व इसके ट्यूबर का कम लागत पर उत्पादन संभव है। इसकी पैदावार बढ़ाकर हम काफी विदेशी मुद्रा आर्जित कर सकते हैं।

उपयोग- डहलिया को प्रमुखता से प्रदर्शनी के लिए, पिष्प-उद्यानों में तथा घरेलू सजावट के लिए उपयोग में लाते हैं। डहलिया के कंद, कंदों के टुकड़े, बीज एवं कट फ्लावर सभी हिस्से व्यावसायिक रूप से काफी महत्वपूर्ण हैं। भारतीय मौसम में जायंट नामक किस्में प्रदर्शनी के लिए सबसे उपयुक्त पायी गई हैं। इस विशेष प्रजाति की पूर्ण विकसित फूलों की लंबाई-चौड़ाई लगभग 25.4 सें.मी. तक होती है। बौनी किस्म के डहलिया को विशेषकर क्यारियों एवं बार्डर पर प्रमुखता से लगाते हैं, क्योंकि इसमें डंडों के सहारे की जरूरत नहीं पड़ती है।

▶▶ वर्गीकरण

डहलिया के फूलों में पाई जाने वाली विभिन्नता के आधार पर इसे दस वर्गो में विभाजित किया गया है जो इस प्रकार हैं - वाटरलिली, एनिमोन, कालरेट, फिमब्रीएट, डेकोरेटिव, बॉल, पामपॉन, कैक्टस, सेमी कैक्टस एवं अन्य प्रकार।

डहलिया की डेकोरेटिव प्रजाति के पुष्पों की पंखुड़ियाँ बहुत सघन होती हैं तथा एक-दूसरे पर छायी सी प्रतीत होती हैं। कैक्टस प्रजाति के पुष्पों की पंखुड़ियाँ कम सघन होती हैं तथा नुकीली एवं मुड़ी हुई होती हैं। पामपॉन प्रजाति अपने छोटे आकार के कारण अधिक प्रयोग में लाई जाती हैं ।

पौधों को क्यारियों में लगाते समय रंगों की विविधता का भी ध्यान रखना चाहिए। जैसे लाल के पास पीला और गहरे लाल के पास सफेद एवं सफेद के पास बैंगनी लगाते हैं। इससे क्यारियाँ बहुत ही आकर्षक लगती हैं।

▶▶ किस्में

डेकोरेटिव बड़ा - एमरैन्थ, अमृता डिग्निटी, मास्टरपीस, क्रॉयडॉन वाइट, क्रॉयडॉन मास्टरपीस, नस्ट्रेशियम, लिबरेटर।
मध्यम - हाउस ऑफ़ ऑरेन्ज, पीस।
छोटा - इडेनवर्ग, मेरी रिचार्ड, ट्रेंडी।
मिनिएचर - अरेबियन नाइट, डोरिश ड्यूक, लवली लुकर, लिटिल मेरमेड।
कैक्टस बड़ा - अर्बक्रीन, एल्वर्ट, द क्लोनल, रेडियो।
मध्यम - इक्लिप्स, पोलर व्यूटी, कानिवल, ब्यूडेलेयर।
छोटा - प्रेफरेंस, पिन्निक्ल, ग्रेस।
पोमपोम बड़ा - जेन लिस्टर, एस्कोट, किंडी।
मध्यम - चार्मीस, बोनी, लिटिल डेविड।

छोटा - ग्लो, यल्लो जेम, दोरिया।

प्रसारण- डहलिया बहुवार्षिक पौधा है। अत- इसको बीज के अलावे कंदों द्वारा भी प्रवर्धित किया जाता है। परन्तु आजकल कटिंग (कर्त्तन) द्वारा प्रवर्धन ही ज्यादा प्रचलित है, जिससे अच्छे गुणों वाले फूल मिलते हैं।

कंदों से प्रसारण करते समय इसे कवकनाशी दवा, जैसे - कैप्टान 0.2% (एक लीटर पानी में 2 ग्राम) या वेविस्टीन 0.2% (1 लीटर पानी में 2 ग्राम दवा के घोल) से उपचारित कर लगाना चाहिए। कंदों से निकली हरी शाखाओं, जिसकी लंबाई करीब 7.5-10 सें.मी. हो, की कर्त्तन तैयार करते हैं। इसके लिए तेजधार वाले चाकू या ब्लेड का इस्तेमाल करते हैं। कर्त्तन को जड़ वृद्धि-सहायक हार्मोन सेरेडिक्स बी या रूटेक्स से उपचारित क्र गमलों या ऊँची क्यारियों में सड़ी पत्ती एवं मोटी बालू के मिश्रण में लगाकर रखते हैं। गमले एवं क्यारियाँ अर्द्ध छायादार स्थानों पर होने चाहिए।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अनंतनाग में 64 करोड़ रुपये की 15 जल आपूर्ति योजनाओं का उद्घाटन किया

अनंतनाग 30 सितंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दोहराया कि उनकी सरकार जनता से किए गए सभी वायदों को पूरा करेगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लोगों की अपेक्षाएँ सरकार से पूरी हों। उन्होंने यह बात अनंतनाग ज़िले के दौरे के दौरान कही, जहाँ उन्होंने 63.97 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पंद्रह जल आपूर्ति योजनाओं का उद्घाटन कर उन्हें जनता को समर्पित किया।

उद्घाटन की गई योजनाओं में हार्दू शिच्छन, दाऊदपोरा तिलवनपोरा कमद, अचाबल टाउन, अंडू पुषरू, दीथू खल, शेरगुंड आहो पैसन, रानीपोरा चोहार, गडवाल, कसाना मोहल्ला, नसरंगरी कचवन, लैग्रिपोरा, संगम सेठर, पुष्कीरी, बकरवाल बस्ती चैक-1 और शलगन जीबी शामिल हैं। लगभग 64 करोड़ रुपये की लागत वाली ये योजनाएँ ज़िले के 24 गाँवों और एक कस्बे को सुरक्षित और छना हुआ पेयजल उपलब्ध कराएँगी। यह ग्रामीण पेयजल आपूर्ति ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अचाबल में उद्घाटन के बाद आयोजित एक बड़े जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज हमने चार विधानसभा क्षेत्रों में लोगों को 15 जल आपूर्ति योजनाएँ समर्पित की हैं। और साफ पेयजल, छना हुआ पानी आपके घरों तक पहुँचाया जाएगा। जो योजनाएँ शेष हैं, उन्हें भी हम पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने आगे जनता को भरोसा दिलाया

> **“ वायदों को पूरा करने का संकल्प, जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की प्रतिबद्धता दोहराई**

कि विकास कार्य केवल जल आपूर्ति तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, अन्य विभागों का काम, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़कें हों, उद्योग, पर्यटन, सामाजिक कल्याण, जनजातीय मामले हो, जहाँ जहाँ आपकी सरकार से अपेक्षाएँ हैं, मैं आपको वायदा करता हूँ कि हम आपकी अपेक्षाएँ पूरी करेंगे। हम आपसे किए गए वायदे निभाएँगे। हम पर विश्वास रखें। बाकी काम हमारी ज़िम्मेदारी है।

अपनी सरकार को पूर्व से मिली वित्तीय देनदारियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ठेकेदारों और सेवा प्रदाताओं पर हजारों करोड़ रुपये के बकाए का बोझ डाला गया है। हमने इसका हल निकालने की कोशिश की। मैंने संबंधित मंत्री के साथ बैठकर इसका समाधान खोजा। जनता की राजनीतिक आकांक्षाओं का हवाला देते हुए उमर अब्दुल्ला ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा, मेरे सहयोगियों को भी साहस से काम लेना होगा। उन्हें उन ताकतों का सामना करना पड़ेगा जो जम्मू और कश्मीर में केवल बर्बादी चाहती हैं। हम लड़ेंगे। हम लोकतांत्रिक तरीकों से लड़ेंगे।

सहकारी क्षेत्र में प्रगति की समीक्षा, कृषकों को प्रोत्साहन

किश्तवाड़ 30 सितंबर। जिला सहकारी विकास समिति की बैठक सहकारिता विभाग के डिप्टी रजिस्ट्रार मिर्जा मुमताज़ इक़बाल ने आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता ज़िला विकास आयुक्त पंकज कुमार शर्मा ने की।

बैठक में सहकारी संघ के पंजीकरण, सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना के कार्यान्वयन, मार्गदर्शिका कार्यक्रम के तहत हुई प्रगति की समीक्षा और सहकारी समितियों/समूहों के लिए खाद्य प्रसंस्करण योजना के अंतर्गत इकाइयों की स्वी.ति जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

अवसर पर बोलते हुए डीडीसी ने जमीनी स्तर पर सहकारी आंदोलन को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाएँ लोगों के सामजिक-आर्थिक सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाती हैं।

डीडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे किसानों से संपर्क कर उन्हें सहकारी समितियाँ बनाने और स्थानीय विशिष्ट कृषि उत्पाद, काला ज़ीरा,

चिलगोज़ा, ऑर्गेनिक लहसुन आदि के विपणन के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि न केवल जिले में बल्कि पूरे देश में इनके बेहतर बाज़ार अवसर तैयार किए जा सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि ज़िले में मधुमक्खी पालन करने वाले किसानों को प्रोत्साहित कर मधुमक्खी पालन सहकारी समितियों का गठन कराया जाए, जिससे शहद उत्पादन बढ़े और नए आजीविका अवसर सृजित हों।

डीडीसी ने सभी संबंधित विभागों और हितधारकों से अपील की कि वे सहकारी क्षेत्र में सरकारी पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आपसी समन्वय में काम करें।

डिप्टी रजिस्ट्रार सहकारी समितियों ने समिति को चल रही योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया और पंजी.त सहकारी समितियों को विभिन्न योजनाओं के तहत अधिकतम लाभ दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक का समापन ज़िले में सहकारी संस्थाओं को और बढ़ावा देने तथा सहकारी क्षेत्र में लोगों की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के संकल्प के साथ हुआ।

बैठक में एडीसी पवन कोतवाल, एसीआर इदरीस लोन, सीएचओ साज्जिद मुस्तफ़ा, एडी हस्तशिल्प प्रदीप शान, एडी मत्स्य, सहायक रजिस्ट्रार सहकारिता समितियाँ अमित शर्मा, सहायक रजिस्ट्रार मरवाह संजय सिंह, सहायक रजिस्ट्रार छत्रू क़ाज़ी अख्तर हुसैन, आई/सी सहायक रजिस्ट्रार पाडुर लवमीत कोतवाल, जेसीसीबी मैनेजर किश्तवाड़ समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।